राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 02 अप्रैल 2026 वर्ष-9,अंक-67 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अटारी-वाघा सीमा पर रिट्रीट का समय बदला

अब शाम 5:30 से 6 बजे तक होगी सेरेमनी

अमृतसर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान अटारी सीमा पर होने वाली प्रसिद्ध रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। अटारी-वाघा बॉर्डर पर हर रोज होने वाली इस देशभक्ति से भरपूर सेरेमनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। नए निर्णय के अनुसार अब रिट्रीट सेरेमनी शाम 5:30 बजे से शुरू होकर 6:00 बजे तक चलेगी। इससे पहले रिट्रीट सेरेमनी 5 बजे शुरू होकर साढ़े 5 बजे खत्म हो रही थी। मौसम और दिन की घटती-बढ़ती रोशनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि दर्शकों को बेहतर अनुभव देने और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए समय में यह बदलाव जरूरी था। यह नया समय आज यानी 1 अप्रैल से लागू कर दिया गया है। यानी अब जो भी पर्यटक या स्थानीय लोग इस सेरेमनी को देखने की योजना बना रहे हैं, उन्हें नए समय के अनुसार ही पहुंचना होगा। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी भारत और पाकिस्तान के सैनिकों द्वारा की जाने वाली एक विशेष परंपरा है, जिसमें जोश, अनुशासन और देशभक्ति की झलक देखने को मिलती है। हर दिन हजारों लोग इस आयोजन का हिस्सा बनते हैं और भारत माता की जय तथा वंदे मातरम जैसे नारों से माहौल देशभक्ति से गूंज उठता है।

वंदे भारत का खाना खाकर बीमार हुए मां-बेटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे आधुनिक और प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के खाने की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। यात्रियों द्वारा लगातार शिकायतें सामने आने से व्यवस्था पर चिंता बढ़ रही है। हाल ही में एक महिला यात्री ने दावा किया कि, ट्रेन में परोसा गया लंच खाने के बाद उनके होंठ सूज गए। उन्हें गंभीर एलर्जी की समस्या हो गई। इस घटना का वीडियो और पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे मामला चर्चा में आ गया है।यह मामला 27 मार्च 2026 का बताया जा रहा है। जब रांची की रहने वाली आयुषी सिंह ट्रेन नंबर 22500 वंदे भारत एक्सप्रेस से वाराणसी से देवघर की यात्रा कर रही थीं। वह ई-वन कोच में सफर कर रही थीं। ट्रेन में आईआरसीटीसी द्वारा परोसा गया लंच उन्होंने और उनके दो साल के बेटे ने भी खाया। आयुषी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि, खाना खाने के कुछ ही मिनटों बाद उनके ऊपरी होंठ सूजने लगे। शरीर में एलर्जी के लक्षण दिखने लगे। उनकी हालत इतनी बिगड़ गई कि मामला गंभीर हो गया। उन्हें तुरंत मेडिकल सहायता लेनी पड़ी।महिला ने यह भी बताया, उसी खाने को खाने के बाद उनके दो साल के बेटे को दस्त की समस्या हो गई।

नाटो से अलग हो सकता है अमेरिका

ट्रम्प बोले: इसने जरूरत के वक्त मदद नहीं की, ये कागजी शेर, पुतिन भी यही मानते हैं

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वे NATO से बाहर निकलने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उन्होंने NATO को कागजी शेर बताया। एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि वे पहले से ही NATO से ज्यादा प्रभावित नहीं थे और उन्हें लगता है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी यही मानते हैं। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका हमेशा अपने साथियों के लिए खड़ा रहा है, लेकिन इस बार कोई भी अमेरिका के साथ नहीं आया। उन्होंने यूक्रेन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां अमेरिका ने मदद की थी, लेकिन अब वही समर्थन अमेरिका को नहीं मिल रहा। यह बयान तब आया है जब NATO देशों ने ईरान जंग में अमेरिका का साथ देने से इनकार कर दिया। अमेरिका चाहता था कि NATO देश होर्मुज स्ट्रेट खुलवाने के लिए अपने वॉरशिप भेजें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खुला रहेगा, लेकिन अमेरिका के लिए नहीं। अब 47 साल की मेहमाननवाजी खत्म हो चुकी है।\ अजीजी ने कहा कि यह रास्ता सिर्फ उन देशों के लिए खुला रहेगा,

जो ईरान के बनाए नए नियमों का पालन करेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रम्प ने रेजीम चेंज का सपना पूरा कर लिया है, लेकिन यह जमीन पर नहीं बल्कि समुद्र के नियमों में हुआ है। ईरान की सुरक्षा एजेंसी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा है कि उसने 65 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर आरोप है कि वे दुश्मन देशों के लिए काम कर रहे थे या आतंकवादी संगठनों से जुड़े थे। ईरान का कहना है कि हाल के महीनों में उसने कई लोगों को पकड़ा है, जो अमेरिका-इजराइल को जानकारी दे रहे थे और देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचा रहे थे। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए किसी समझौते (डील) की जरूरत नहीं है। अमेरिका यह युद्ध 2 से 3 हफ्तों में खत्म कर सकता है। उन्होंने कहा- ईरान को कोई डील करने की जरूरत नहीं है। जब हमें लगेगा कि वे इतने कमजोर हो गए हैं कि कई सालों तक परमाणु हथियार नहीं बना सकते, तब हम वहां से निकल जाएंगे। डील हो या न हो, अब यह जरूरी नहीं है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान के पास जो यूरेनियम बचा है, उससे उन्हें कोई चिंता नहीं है, क्योंकि वह जमीन के अंदर है और आसानी से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अमेरिका पहले ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी नुकसान पहुंचा चुका है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका जल्द ही ईरान से बाहर निकल जाएगा और इसके बाद तेल की कीमतें भी कम हो सकती हैं। इस युद्ध की वजह से थोड़ी परेशानी जरूर हो रही है, लेकिन इससे अमेरिका ज्यादा सुरक्षित हुआ है क्योंकि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट के बारे में उन्होंने कहा कि अब इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका नहीं लेगा।

मोदी बोले: कांग्रेस के राजकुमार की हार की सेंचुरी पक्की

ममता ने कहा: भाजपा हमारा पैसा लूट रही और झूठ बोल रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इस बार असम में बीजेपी-एनडीए की हैट्रिक लगनी तय है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है। पीएम धेमाजी के गोगामुख में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बीरभूम में जनसभा की। उन्होंने कहा- जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूकें लेकर निकलते हैं। इधर, असम के डिब्रूगढ़ पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- असम में डबल गुलामी वाली सरकार है, एक भ्रष्ट सरकार है। हम देख सकत हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहां माफिया राज और

सिंडिकेट राज है। मोदी ने कहा- कांग्रेस ने भारत रत्न भूपेन हजारिका का अपमान किया। कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष ने हजारिका को मिले भारत रत्न का मजाक उड़ाया। बाबूछवि लाल उपाध्याय असम कांग्रेस के थे। कांग्रेस ने उन्हें भी भुला दिया। लेकिन हमने उनके नाम से इंजीनियरिंग कॉलेज बनाया, उनकी प्रतिमा लगाई। पीएम ने कहा- बिस्वनाथ की पहचान चाय बागानों से है। यहां का चाय बागान हमारी शान है। इस चाय बागान का मोह अगर इस चाय वाले से नहीं होगा तो किससे होगा। मैंने चाय बागान में काम करने वाली माताओं-बहनों को आशीर्वाद लेकर चुनाव प्रचार की शुरूआत की। पीएम बोले कि कांग्रेस की बेकार नीतियों ने यहां के गेंडा (एक सींग वाले) को भी नहीं छोड़ा। सेंचुरी में जो हालात हुई, हम सभी ने देखी है। कांग्रेस ने गेंडों की जमीन अपने वोट बैंक को दे दी। इसका असर आपकी रोजी रोटी पर पड़ा। रोजगार पर पड़ा। आपने बीजेपी-एनडीए सरकार बनाई। हमने अवैध कब्जा हटाया। 40 साल बाद अब फिर से इस सेंचुरी में 1 सींग वाले गैंडे दिखने लगे हैं। मोदी ने कहा कि साथियों, पूरा देश जानता है कि कांग्रेस विकास विरोधी है। कांग्रेस ने असम के अलग अलग जिलों में हजारों बीघा जमीन पर अवैध कब्जे होने दिए, वोट बैंक को बचाने के लिए ऐसा किया। यहां कीर्तन, भागवत से समाज का जुड़ाव होता। वहां कांग्रेस ने घुसपैठियों को बसा दिया। आज बीजेपी इनके खिलाफ एक्शन ले रही है। बीते 11 साल में जमीनों से अवैध कब्जे हटाए हैं। पीएम ने कहा कि असम सरकार असम के विकास के लिए ईमानदारी से काम कर रही है। बाढ़ और कटाव की परेशानी दूरी करने के लिए काम कर रही है। इसके लिए भी 18 हजार करोड़ रुपए और खर्च किए जाएंगे। इस पर काम चल रहा है। बीजेपी-एनडीए सरकार का बड़ा लक्ष्य असम को आत्मनिर्भर बनाने का भी है। दशकों पहले ये काम शुरू होना चाहिए था। लेकिन कांग्रेस ने असम के सामर्थ्य के साथ काम नहीं किया। हमारी सरकार इसके सामर्थ्य को विकास के काम में लगा रही है। पीएम ने कहा कि दुनिया ने असम का वो हाईवे देखा है जहां लड़ाकू विमान उतरता है।

बंगाल एसआईआर: 60 लाख में 47 लाख आपत्तियां निपटीं

सुप्रीम कोर्ट बोला: 7 अप्रैल तक सबका निपटारा होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद 60 लाख आपत्तियों में से लगभग 47 लाख आपत्तियों का निपटारा 31 मार्च तक कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने बताया कि उन्हें मंगलवार को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का लेटर मिला है। इसमें बताया गया है कि हर दिन लगभग 17.5 लाख से 2 लाख आपत्तियों को निपटाया रहा है। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया गया कि सभी लंबित आपत्तियों का निपटारा 7 अप्रैल तक पूरा होने की संभावना है। CJI सूर्यकांत ने कहा- हम तथ्यों और आंकड़ों से काफी संतुष्ट हैं। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनल को वोटर लिस्ट में गलत तरीके से जोड़े या हटाए नामों को सुधारने का अधिकार भी दिया। कोर्ट ने कहा- वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के खिलाफ लोगों की अपील सुन रहे ट्रिब्यूनल नए

दस्तावेजों को स्वीकार कर सकते हैं। हालांकि बिना वेरिफिकेशन दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पहले कोर्ट ने कहा था कि अपीलीय ट्रिब्यूनल ऐसे नए दस्तावेज स्वीकार नहीं करेंगे, जो पहले जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं किए गए थे। हालांकि अब कोर्ट ने अपने आदेश में बदलाव किया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने चिंता जताई कि नए वोटर के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए एक साथ बड़ी संख्या में फॉर्म-6 जमा किए जा रहे हैं। इसपर कोर्ट ने कहा- जब तक कोई चीज रिकॉर्ड में न हो, हम जुबानी दलीलों के आधार पर कोई फैसला नहीं कर सकते। इससे पहले पिछली सुनवाई में CJI सूर्यकांत ने मौखिक रूप से कहा था कि पूरे देश में रक्फ़ प्रक्रिया सुचारु रूप से हुई, लेकिन पश्चिम बंगाल में इसमें दिक्कतें सामने आईं।

ममता को सता रहा नए अधिकारियों का डर

टीएमसी उम्मीदवारों से कहा- नामांकन भरते समय सतर्क रहें

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारियों को उनकी पार्टी के उम्मीदवारों के नामांकन खारिज करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने टीएमसी प्रत्याशियों से नामांकन दाखिल करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की। गौरतलब है कि बंगाल में चुनाव एलान के बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। बीरभूम जिले के नानूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'सब कुछ बदल दिया गया है, यहां नया

सेटअप है। चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारी आपके नामांकन खारिज करने के लिए लगाए गए हैं, इसलिए नामांकन भरते समय सतर्क रहें।' उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राजनीतिक फायदे के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने खासकर महिलाओं से भाजपा को वोट न देने की अपील करते हुए कहा, 'वे (भाजपा) महिला विरोधी हैं, इसलिए एसआईआर में गलती का हवाला देकर उनके नाम हटाए जा रहे हैं।' इससे पहले बुरवान में एक अन्य रैली में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ग्रामीण इलाकों में लोगों से नकद पैसे देने के नाम पर उनके बैंक खाता नंबर मांग रही है। उन्होंने लोगों से ऐसी जानकारी साझा न करने की सलाह दी। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ममता बनर्जी अपनी रैलियों में भाजपा पर जमकर निशाना साध रही हैं।

हैदराबाद: महिला ने बेटों की हत्या के बाद सुसाइड किया

हैदराबाद (एजेंसी)। महिला ने दो बेटों की हत्या के बाद सुसाइड कर लिया। तीनों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। महिला के पति ने दूसरी शादी की थी, जिसके बाद से परिवार में झगड़ा था। पुलिस के मुताबिक घटना कुकाटपल्ली के राघवेंद्र

कॉलोनी में 31 मार्च की दोपहर 1.30 बजे हुई। पुलिस के मुताबिक श्रावंती का पति प्रवीण दोपहर में जब घर लौटा तो मेन गेट बंद था। कई बार दरवाजा खटखटाने पर भी जब गेट नहीं खुला तो प्रवीण ने पड़ोसियों की मदद से गेट तोड़ा। अंदर श्रावंती (29) और दोनों बेटों कार्तिक (12) और कौशिक (10) के शव थे। दोपहर 2 बजे पुलिस को जानकारी मिली। वहीं, बेटी की मौत की खबर सुनकर वारंगल जिले के चेन्नारावपेट में श्रावंती के परिवार ने उसके ससुराल वाले घर और पशुशाला में आग लगा दी। जमकर हंगामा भी किया। पुलिस ने लोगों को शांत कराया। अउढ नरेश रेड्डी के मुताबिक पारिवारिक विवाद में मर्डर और सुसाइड का मामला लग रहा है। जानकारी मिली है कि प्रवीण ने एक और शादी की थी।

'भारतीय तेल बाजार पर अमेरिका का दबाव मंजूर नहीं'

भारत की विदेश नीति स्वतंत्र : रूसी राजदूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेल बाजार को लेकर अमेरिका के दबाव के आरोपों पर रूस ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलिपोव ने कड़े शब्दों में कहा है कि उनका देश अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी भी तरह के अमेरिकी दबाव को पूरी तरह खारिज करता है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम है। डेनिस अलिपोव ने कहा कि अमेरिका की ओर से भारत के बाजार में रूस के लिए बाधाएं खड़ी करने की कोशिशें वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिहाज से बिल्कुल सही नहीं हैं।जब अलिपोव से पूछा गया कि क्या टैरिफ विवाद के बीच भारत रूसी तेल का आयात कम कर रहा है, तो उन्होंने कहा, "मैं अमेरिका-भारत व्यापार पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हूं। लेकिन हम वैश्विक राजनीति में किसी भी तरह के दबाव को सख्ती से खारिज करते हैं। यह व्यापार करने का सही तरीका नहीं है।"उन्होंने आगे कहा, "हम साफ तौर पर देख रहे हैं कि अमेरिका भारत के बाजार में रूस के लिए बाधाएं खड़ी करने की कोशिश कर रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापार के लिए सही तरीका नहीं है। हम भारतीय तेल बाजार पर अमेरिकी दबाव को खारिज करते हैं। भारत

पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के बीच ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। लेकिन रूस और भारत के बीच व्यापार, खासकर तेल के क्षेत्र में, तेजी से आगे बढ़ रहा है और हम इसे जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डेनिस अलिपोव, भारत में रूस के राजदूत

एक स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करता है और हम ऐसे दबाव नहीं मानने के उनके रुख का स्वागत करते हैं।" रूस के राजदूत ने यह भी कहा कि मॉस्को और नई दिल्ली के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि हाल के समय में भारत ने रूस से तेल आयात काफी बढ़ा दिया है।डेनिस अलिपोव ने कहा, "हम दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों का विस्तार कर रहे हैं। हाल ही में भारत को रूस से तेल की आपूर्ति में काफी बढ़ोतरी हुई है। हम इस दिशा में लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे दोनों देशों को लाभ हो।" पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में ऊर्जा बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। उन्होंने इसे 'अमेरिकी ऑयल डिसरप्शन डिप्लोमेसी' का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, "पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के बीच ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। लेकिन रूस और भारत के बीच व्यापार, खासकर तेल के क्षेत्र में, तेजी से आगे बढ़ रहा है और हम इसे जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित रूस यात्रा को लेकर अलिपोव ने कहा कि मॉस्को इस साल उनकी यात्रा का दिल से स्वागत करेगा। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच हर साल शिखर बैठक का एक तंत्र है और पिछले साल दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति ने भारत का दौरा किया था। अमेरिका के हमलों के जवाब में ईरान की जवाबी कार्रवाई पर रूस के रुख के बारे में पूछे जाने पर, भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा, "स्पष्ट रूप से, ईरान हमलों को नाकाम कर रहा है। इसके परिणाम अमेरिका की कथित इच्छाओं के बिल्कुल विपरीत रहे हैं। ज्यादातर समय, ईरान ने आंतरिक रूप से हमलों, अपने ऊपर हुए हवाई हमलों के जवाब में अपनी प्रतिक्रिया को और मजबूत किया है। लेकिन फिर भी, यह संकट के विस्तार का संकेत है और इस समय हम सभी को क्या करना चाहिए।

महंगाई को लेकर सरकार पर हमलावर कांग्रेस

जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जहां आम नागरिक राहत की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं भाजपा सरकार जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने में लगी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, 'मोदी सरकार ने देश की

रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसका सीधा असर अब 140 करोड़ भारतीयों को भुगतना पड़ रहा है।' खरगे ने कहा कि आज से कई रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम बढ़ने जा रहे हैं, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है, जबकि आपूर्ति कम हो रही है। इसका असर सड़क किनारे चाय की कीमतों से लेकर मिड-डे मील योजना तक पड़ेगा। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) महंगा होने से हवाई यात्रा भी आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 900 से अधिक आवश्यक दवाएं महंगी हो गई हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की लागत और बढ़ेगी। इसके अलावा उन्होंने स्टेंट की कीमतों में वृद्धि, टोल टैक्स में बढ़ोतरी, स्पीड पोस्ट शुल्क में 34 प्रतिशत इजाफा, और प्लास्टिक, स्टील व सिरेमिक उद्योगों पर असर जैसे मुद्दों को भी उन्होंने उठाया। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए पीवीसी पाइप महंगे हो गए हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि आम नागरिक, किसान, मजदूर और एमएसएमई सेक्टर राहत की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर एक वीडियो साझा करते हुए इसे भाजपा लूट दिवस बताया। इस बीच, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत बुधवार को 195.50 रुपये बढ़ाकर दिल्ली में 2,078.50 रुपये कर दी गई है। इससे पहले 1 मार्च को इसमें 114.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। हालांकि, घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में 14.2

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राम कथा के अमर गायक हैं श्रीहनुमानजी महाराज

(लेखक- डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा)

(हनुमान जयंती (2अप्रेल) पर विशेष आलेख)

सच्चिदानंद स्वरुप परब्रह्म परमात्मा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्री राम के अतिप्रिय सेवक, निष्ठावान एवं समर्पित भक्त और भगवान श्रीराम के अत्यंत विश्वसनीय पार्षद श्री हनुमानजी महाराज श्रीराम भक्ति तत्व के महानतम आदर्श हैं, वे अपने आराधकों को जीवन के चरम लक्ष्य राम भक्ति की और अग्रसर करते हुए राम भक्तों को अपना आश्रय प्रदान करते हैं। दाता हैं। श्री हनुमानजी राम भक्ति में रत मनुष्यों की संकटापन्न स्थिति में उनके संकटों का निवारण करते हुए जीवन में शुभ मङ्गल का संचार करने वाले प्रत्यक्ष देवता है, वे एक तरफ जहां राम चरणारविन्द में द्रढ निष्ठा पूर्वक समर्पित रहते हैं, वहीं राम काज हेतु सदैव तत्पर भी रहा करते हैं।

यद्यपि हनुमानजी सब जगह विद्यमान हैं, तथापि जहां जहां भगवान् श्री राम का कीर्तन गाया जाता है, अथवा जहां राम कथा होती है, वहां वहां मारुति नंदन भाव विभोर होकर उसी समय पहुंच जाते हैं। राम कथा के अमर गायक श्री हनुमानजी महाराज आज भी रसिकजनों को राम कथामृत प्रदान करते हुए स्वयं भी ऋषि मुनियों से राम कथा का श्रवण करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास श्री हनुमानजी महाराज का स्तवन इस तरह करते है–

यत्र यत्र रघुनाथ कीर्तनं, तत्र तत्र कृतमस्तकाञ्जलिम्।
वाष्पवारिपरिपूर्णलोचनं, मारुतिं नमत राक्षसांतकम्।।

अर्थात जहां जहां रघुनाथ श्रीराम का कीर्तन होता है, अथवा श्रीराम की पावन कथा, स्मरण या जप होता है, वहां वहां नैत्रों में अश्रुपूरित आनंद लिए हनुमानजी तत् काल उपस्थित हो जाते हैं। ऐसे राक्षसों के लिए काल स्वरूप श्री हनुमानजी को प्रणिपात किया जाना चाहिए।

रामायण में उल्लेख मिलता है कि भगवान् श्री राम और भगवती सीता द्वारा प्रदत्त आशिर्वाद से श्री हनुमानजी अजर अमर हैं, और कल्प पर्यन्त पृथ्वी लोक में निवास करते हुए श्री राम कथा को कहते और श्रवण करते हैं। श्री राम चरित मानस के सुंदरकांड में गोस्वामी तुलसीदास देवी सीता द्वारा हनुमानजी को अपना आशीर्वाद प्रदान किए जाने का वर्णन करते हुए लिखते हैं कि

आसिष दीन्हि रामप्रिय जाना,होहु तात बल सील निधाना।
अजर अमर गुननिधि सुत होहू,करहुं बहुत रघुनायक छोहू।

अर्थात सीता माता ने हनुमानजी को भगवान् श्री राम का प्रिय जानकर उन्हें आशीर्वाद दिया कि है तात! तुम बल और शील के निधान, अजर अमर और गुणों की निधि होओ, और श्रीरघुनाथजी तुम पर बहुत कृपा करें।

श्री हनुमानजी महाराज प्रत्यक्ष देवता माने जाते हैं, और यह मान्यता है कि किसी भी दैहिक, दैविक और भौतिक ताप अथवा संकटपूर्ण किसी अन्य गंभीर परिस्थिति में जब उसके समाधान का कहीं कोई रास्ता नहीं दिखाई देता हो, तब हनुमानजी की शरण ग्रहण कर आत्म निवेदन करने पर आसन्न संकटापन्न स्थिति के समाधान का रास्ता निकल आता है। हनुमान चालीसा में कहा गया है–

नासै रोग हरै सब पीरा, जपत निरंतर हनुमत बीरा। संकट ते हनुमान छुड़ावै, मन क्रम बचन ध्यान जो लावै।

अर्थात जो लोग निरंतर अपकी उपासना करते हैं, दु:ख उनके समीप भी नहीं आता, और जो मनुष्य श्रद्धा भक्ति पूर्वक आपका स्मरण, आराधना करते हैं, उनके संकट दूर हो जाते हैं।

हनुमानजी का जन्म और उनके कर्म अद्भुत एवं विस्मयकारी हैं। धर्म शास्त्रों के अनुसार भगवान् शिव के द्वारा अपने स्वामी श्री राम की सेवा की तीव्र अभिप्सा के निमित्त उन्होंने ग्यारहवें रुद्र के रूप में वायुदेव केसरी और देवी अञ्जना के पुत्र हनुमान के रूप में जन्म लिया, और भगवान् श्री राम की सेवा कर अपनी अभिलाषा पूरी की।

वैसे कुछ ग्रंथकार श्री हनुमानजी के वानर रूप को स्वरुपगत नहीं मानते हुए जातिगत मानते हैं, किंतु पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चूंकि भगवान् विष्णु ने रामावतार में पुरुष रुप धारण किया था,और भगवान् शिव उनकी सेवा के अभिलाषी थे, ऐसे में यदि मनुष्य रूप में जन्म लेकर सेवा करते तो यह दास भाव के अनुकूल नहीं होता, इसलिए उन्होंने मनुष्य से निम्न समझी जाने वाली वानर योनि में जन्म लेकर दास भाव से अपने स्वामी श्री राम की सेवा की।

श्रीरामचरितमानस के अनुसार बाल्यावस्था में ही हनुमानजी ने उदयकालीन सूर्यदेव को एक फल समझकर निगल लिया था, परिणामस्वरूप त्रलौकी में हाहाकार की स्थिति निर्मित हो गई थी। बाद में भगवान् सूर्य ही उनके गुरु हुए, और हनुमानजी ने उनसे शिक्षा ग्रहण की, वे सूर्य देव के स्नेह भाजन हुए और उनसे तेज,औज, बुद्धि और बल पा गए।

हमारे वेद, उपनिषद एवं पौराणिक ग्रंथों में भगवान् श्री राम के पावन नाम की बड़ी महिमा गाई गई है, और हनुमानजी महाराज तो भगवान् श्री राम के अतिप्रिय दास हैं, इसलिए वे राम नाम स्मरण को कभी बिसारते ही नहीं, और हर क्षण अपने प्रभु का स्मरण किया करते हैं। श्री रामरक्षा स्तोत्र में गोस्वामी तुलसीदास भगवान् शिव और माता पार्वती के बीच हुए संवाद का उल्लेख करते हुए एवं राम नाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहते हैं–

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे,
सहस्त्र नामतत्तुल्यं राम नाम वरानने।

अर्थात है देवी पार्वती ! राम राम राम इस प्रकार तीन बार राम नाम का उच्चारण सहस्त्र नाम के तुल्य है, इसलिए मैं सदैव राम नाम में ही रमण करता हूं। भगवान् शिव स्वयं को श्री राम के दास मानते हैं, और श्री हनुमान स्वयं रुद्रावतार हैं ऐसे में सेवक अपने स्वामी का विस्मरण आखिर कैसे कर सकते है, एतदर्थ श्री हनुमानजी नित्य निरंतर राम नाम में ही रमे रहते हैं।

विराट वैभव से परिपूर्ण श्री हनुमानजी महाज्ञानी और अतुलनीय बल के धाम हैं, फिर भी विनयशील हैं, और राम काज में अत्यंत लघु रुप धारण कर लेते हैं। हनुमानजी भगवान् श्री राम की आज्ञा पाकर जब सीता माता की खोज हेतु निकले तो वे अत्यंत लघु रूप में आकाश मार्ग से गमन करते हुए लंका पहुंचे

श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी लिखते है कि–

मसक समान रूप कपि धरी,
लंकहि चलेऊ सुमिरि नरहरि।
अति लघु रूप धरेऊ हनुमाना,
पैठा नगर सुमिरि भगवाना।

अर्थात, लंका की भूमि पर कदम रखने के पहले उन्होंने

मनुष्य रूप में पृथ्वी पर विचरण कर रहे, अपने स्वामी श्रीराम का स्मरण करते हुए लंका की सीमा में प्रवेश किया,और जब लंका नगरी में माता सीता की खोज शुरू की, तब भी लघु रूप धारण कर सर्व प्रथम अपने स्वामी श्री राम का स्मरण करते हुए सीताजी का अनुसंधान करने लगे। हनुमानजी शुद्ध भक्त हैं, इसलिए अहंकार रहित हैं, और उनके द्वारा राम काज निष्पादन हमें प्रैरित करता है कि किसी बड़े उद्देश्य की पूर्ति के लिए छोटा हो जाना ही ठीक है। अहंकार पूर्वक किए गए किसी भी महान कार्य में पूरी तरह सफलता नहीं प्राप्त हो सकती, इसीलिए हनुमानजी अपने स्वामी श्री राम की आज्ञा पाकर जब सीता माता की खोज हेतु निकले तो अपने मुख में राम नाम को धारण किया किंतु अपने स्वरूप को अत्यंत छोटा आकार प्रदान किया।

हनुमानजी महाराज अजर अमर हैं, और सब युगों में वर्तमान है, और अपने आराधकों को संरक्षण प्रदान करते हुए उन्हें राम भक्ति पथ पर अग्रसर करते हैं, श्री हनुमानजी राम कथा के अमर गायक हैं, ओर आज भी रसिकों जनों को राम कथा का अमृत प्रदान करते हुए ऋषि मुनियों से स्वयं भी राम कथा का श्रवण करते हैं।

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

(लेखक ईएमएस से संबद्ध हैं, तथा साहित्यकार और श्रीमद्भागवत कथा प्रवक्ता है)

संपादकीय

विवाह बनाम स्वतंत्रता

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे वयस्कों के रिश्तों को लेकर समय-समय पर देश की विभिन्न अदालतों के फैसले सामने आते रहे हैं। उनमें कई विरोधाभास भी नजर आते रहे हैं। इसी तरह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो हालिया फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच पैदा हुई नाजुक खाई को ही उजागर किया है। जहां एक मामले में, न्यायालय का कहना था कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अब अपराध की श्रेणी में नहीं आता। अब भले ही विवाह संस्था के पारंपरिक स्वरूप को मानने वाले इस बात को स्वीकार न करें, लेकिन इससे जुड़े हुए तमाम यक्ष प्रश्न जरूर हमारे सामने हैं। वहीं एक अन्य घटनाक्रम में न्यायालय ने एक ऐसे ही दंपति को संरक्षण देने से इनकार कर दिया। अदालत का कहना था कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। यह स्पष्ट विरोधाभास वास्तव में एक गहरी कानूनी रिक्तता को ही प्रतिबिंबित करता है। दरअसल, भारतीय कानून ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के हिस्से के रूप में, परंपरागत भारतीय समाज में लिव इन रिलेशनशिप को मान्यता देने की दिशा में सावधानीपूर्वक ही कदम बढ़ाया है। इसके बावजूद भी, यह विवाह को एक कानूनी रूप से स्वीकृत संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहा है। जिसके अंतर्गत वयस्कों के अपने अधिकार और दायित्व भी हैं। निर्विवाद रूप से, जिन्हें आसानी से दरकिनार भी नहीं किया जा सकता है। इस परिणाम के मूल में एक न्यायिक विसंगति भी है। जहां न्यायालय लिव इन रिलेशन को अपराध की श्रेणी से तो बाहर कर देता है, लेकिन उनके परिणामों को वैध ठहराने से हिचकिचाता है। दरअसल, वयस्कों के रिश्तों में यह तनाव सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है। निर्विवाद रूप से, आज भारतीय समाज एक बड़े संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है। जिसमें भारतीय परंपरागत जीवन मूल्यों तथा तेजी से बदलते रिश्तों के बीच का एक द्वंद्व भी शामिल है। यह एक हकीकत है कि आधुनिक जीवन में रिश्तों में स्वतंत्रता की बयार स्त्री की आर्थिक आत्मनिर्भरता से परवान चढ़ी है। लेकिन भारत जैसे परंपरावादी समाज में सदियों से विवाह एक अनुबंध होने के साथ-साथ एक गहरी सामाजिक मान्यता भी है। लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारतीय समाज में आधुनिक रिश्तों की वास्तविकता कहीं अधिक परिवर्तनशील भी है। वयस्कों के रिश्तों में व्यक्ति आगे बढ़ता है, कभी-कभी बिना औपचारिक समापन के भी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि कानून भी मौजूदा परिदृश्य की इस वास्तविकता से अनभिज्ञ नहीं रह सकता। यह भी एक सत्य है कि वयस्कों के रिश्तों को संरक्षण या मान्यता से वंचित करना, ऐसे रिश्तों को समाप्त नहीं करता है। वास्तव में यह केवल उन्हें असुरक्षा और कानूनी अनिश्चितता की ओर धकेल देता है। सही मायनों में आवश्यकता न्यायिक असंगति की नहीं है, बल्कि विधायी स्पष्टता की ही है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

(लेखक- ललित गर्ग)

(हनुमान जयंती (2 अप्रैल 2026) विशेष)

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है-अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न-अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है।

हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को ॥राम का दास॥ कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं।हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है-॥ज्ञानिनामग्रगण्यम॥। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे।

हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है। हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है। हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है।

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो।

बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

विचार मंथन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जाना तय

(लेखक-सनत जैन /

- अमेरिका का राजा ट्रंप नहीं- जनता

दुनिया का सबसे ताकतवर देश, अमेरिका इस वक्त अपने देश और वैश्विक स्तर पर दोनों तरफ से भारी दबाव में नजर आ रहा है। एक तरफ पश्चिम एशिया में ईरान के साथ लड़ाई जारी है, दूसरी तरफ देश के अंदर ही ट्रंप के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और लोग सड़कों पर उतर आए हैं। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों में बड़े पैमाने पर 3300 से ज्यादा स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों का नाम था- नो किंग्स देश में कोई राजा नहीं चलेगा। लोकतंत्र में राजा जनता है। अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोप, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है। सवाल उठता है, आखिरकार यह आंदोलन कितना बड़ा है? ट्रंप के खिलाफ विरोध की यह तीसरी बड़ी लहर है। इससे पहले भी लाखों लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। इस बार का आंकड़ा सबसे बड़ा है। अमेरिका के सभी राज्यों में इस आंदोलन की आग फैल गई है।

3300 से ज्यादा जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इस आंदोलन की खास बात यह है, यह शहरों के साथ-साथ गांवों में भी देखने को मिला है। लोगों ने खुलकर अपना विरोध जताया है। इस बार सबसे बड़ा विरोध मिनसोटा की राजधानी सेंट पॉल में हुआ। जहां मशहूर सिंगर ब्रूस प्रिंस्टीन ने भी आंदोलन में भाग लिया, और एक खास गाना गाया। जो हाल की एक दुखद घटना से जुड़ा हुआ था। उनके साथ कई बड़े सेलिब्रिटी जिसमें एक्टर्स, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भी आंदोलन के मंच पर नजर आए। सवाल उठता है, अमेरिका और आस-पास के देश के लोगों में आखिर किस बात का गुस्सा भरा है? प्रदर्शन करने वालों के पास कम प्रशासन की शिकायतों की लंबी फेहरिस्त थी। सबसे ज्यादा नाराजगी ट्रंप सरकार की इमीग्रेशन नीति को लेकर है। लोगों का मानना है, सख्ती और छापेमारी से आम लोग डर और भय के साथ जी रहे हैं। इसके अलावा ईरान के साथ चल रहे संघर्ष का विरोध, ट्रांसजेंडर के अधिकारों में कटौती, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई जैसे मुद्दों पर लोगों ने खुलकर आवाज उठाई है। वाशिंगटन, न्यूयॉर्क और सैंडियागो जैसे शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बैनर और नारों के साथ सरकार के खिलाफ यहां पर भारी गुस्सा दिखा। ट्रंप के खिलाफ विरोध के असर की बात की जाए, तो यह विरोध अमेरिका तक सीमित नहीं रहा। यूरोप के कई देशों में लोग इसी तरह के संदेश के साथ ट्रंप के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। कहीं तानाशाही के खिलाफ तो कहीं युद्ध के खिलाफ नारे लगे।

यूरोप के देशों में अच्छीखासी भीड़ सड़कों पर देखने को मिली। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी हाल ही में बैठक से बहिष्कार कर ट्रंप की नीतियों का विरोध किया। ट्रंप समर्थकों का कहना है, इन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत नहीं है। उनका कहना है कि यह सब राजनीतिक एजेंडा है। ट्रंप के विरोध में जो तस्वीर जमीन पर दिख रही है, उसके अनुसार जिस तरह संसद और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों और विशिष्ट वर्ग में राष्ट्रपति ट्रंप का विरोध बढ़ रहा है। उनके ऊपर हाल ही में इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोप लगे हैं। संसद से अनुमति लिए बिना ट्रंप ने यह युद्ध छेड़ा है।

जिसके कारण वह संसद में अलग-थलग पड़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कुछ ऐसे राज्यों में भी प्रदर्शन हुए हैं, जहां ट्रंप को भारी समर्थन मिला था। अमेरिका में माहौल इन दिनों काफी गर्म है। पिछले कुछ महीनो में महंगाई काफी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका एक तरफ बाहरी तनाव, दूसरी तरफ आंतरिक विरोध से जूझ रहा है। दोनों स्थितियों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दिन-प्रतिदिन कमजोर होते चले जा रहे हैं। आने वाले समय में यह आंदोलन किस दिशा में जाएगा, यह देखना अहम होगा। अमेरिका और इजरायल ने जिस तरह से ईरान पर आ`मण किया है, इसका असर अब सारी दुनिया के देशों पर पड रहा है। ट्रंप की नीतियों के कारण डॉलर मुद्रा और पेट्रोल डॉलर व्यापार को काफी नुकसान हुआ है जिसका असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर भी पढ़ रहा है। ट्रंप के समय में कर्ज भी तेजी के साथ बढ़ा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम नागरिक बहुत परेशान हैं।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की इमेज साइको के रूप में देखने को मिल रही है। जिसके कारण राजनीतिक क्षेत्र में कहा जा रहा है, कि डोनाल्ड ट्रंप शायद ही अपना कार्यकाल पूरा कर पाएं। जिस तरह से उन्होंने अमेरिका को मुसीबत में फंसाया है। डेमो`टिक के साथ-साथ रिपब्लिकन सांसद भी उनके विरोध में खड़े हो रहे हैं। जिसके कारण ज्यादा दिनों तक राष्ट्रपति पद पर बने रहना उनके लिए आसान नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1186, निफ्टी 348 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। वित्त वर्ष के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ जारी संघर्ष के शीघ्र समाप्त होने के संकेतों से भी बाजार उछला है।

इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में कमी से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1186.77 अंक ऊपर आकर 73,134.32 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 348 अंकों की बढ़त के साथ ही 22,679.40 के स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले मार्च में दोनों प्रमुख इंडेक्स 11 फीसदी से ज्यादा गिरे थे। इससे निवेशकों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। आज बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 13 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 425 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच गया। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1814.88 अंकों की बढ़त के साथ 73,762.43 पर खुला जबकि निफ्टी 567 अंकों की तेजी के साथ 22,899 के स्तर पर पहुंचा। आज मिडकैप और

स्मॉलकैप शेयरों में भी मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जहां निफ्टी मिडकैप 100 में 3.30 फीसदी और स्मॉलकैप 100 में 3.61 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

हुंदै मोटर इंडिया की बिक्री मार्च में 2ए5 प्रतिशत बढ़कर 69ए004 इकाई हुई

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ;एचएमआईएलद्ध की मार्च में कुल बिक्री सालाना आधार पर 2ण्5 प्रतिशत बढ़कर 69ए004 इकाई रही। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि मार्च 2026 की बिक्री में घरेलू बिक्री की 55ए064 इकाई और 13ए940 इकाई का निर्यात शामिल हैं। घरेलू बिक्री मार्च के किसी भी महीने की अब तक की सबसे अधिक रही और इसमें सालाना आधार पर 6ण्3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसमें कहा गया कि जनवरी से मार्च 2026 की अवधि में कुल बिक्री 2ए08ए275 इकाई रही जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8ण्7 प्रतिशत अधिक है। इसमें चौथी तिमाही ;जनवरी से मार्चद्ध में घरेलू बिक्री 1ए66ए578 इकाई रहीए जो सालाना आधार पर 8ण्5 प्रतिशत अधिक है जो उसकी स्थापना के बाद से सर्वाधिक रही। कंपनी ने बताया कि चौथी तिमाही में निर्यात 41ए697 इकाई रहा जो सालाना आधार पर 9ण्4 प्रतिशत अधिक है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 1.41 रुपये की बढ़त के साथ ही 93.44 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 15 पैसे बढ़कर 94.70 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि जल्द इसने थोड़ी बढ़त खो दी डॉलर के मुकाबले 94.70 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को कारोबार के दौरान पहली बार 95 के स्तर के पार चला गया था। हालांकि अंत में थोड़ा संभलता हुआ 94.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। श्री महावीर जयंती के अवकाश के उपलक्ष्य में मंगलवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 99.63 पर रहा।

सरकार ने एसईजेड इकाइयों को घरेलू बाजार में रियायती शुल्क पर बिक्री की मंजूरी दी

- विशेष आर्थिक क्षेत्रों को मिले वित्तीय सहारे के नए उपाय

नई दिल्ली ।

सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) की विनिर्माण इकाइयों के लिए एकमुश्त विशेष राहत योजना की घोषणा की है। इस कदम का उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एसईजेड इकाइयों की उत्पादन क्षमता का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना और उनके वित्तीय दबाव को कम करना है। यह छूट केवल उन्हीं इकाइयों को मिलेगी जिन्होंने 31 मार्च 2025 या उससे पहले उत्पादन शुरू किया हो। लाभ के लिए यह भी आवश्यक है कि वस्तुएं एसईजेड में निर्मित हों और उनमें कम से कम 20 प्रतिशत मूल्य संवर्धन हुआ हो। इकाइयों को यह प्रमाणित करना होगा कि ये सभी शर्तें पूरी हुई हैं। विनिर्माण इकाइयां अब अपने उत्पाद घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) में रियायती दरों पर बेच सकती हैं। इसके तहत मूल सीमा शुल्क और कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर में 6.5 फीसदी से 12.5 फीसदी तक की छूट मिलेगी, जो उत्पाद के अनुसार भिन्न है। यह योजना फिलहाल 2026-27 के लिए है, लेकिन परिस्थितियों के अनुसार इसे बढ़ाया जा सकता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, कई एसईजेड इकाइयों के पास अतिरिक्त उत्पादन क्षमता है, और यह कदम उन्हें घरेलू बाजार में बिक्री बढ़ाने में मदद करेगा। इससे न केवल आयात में कमी आएगी, बल्कि एसईजेड की इकाइयों की वित्तीय स्थिति और उत्पादन क्षमता का बेहतर उपयोग भी संभव होगा।

डॉलर लहर ने सैफ अली खान के साथ पेश किया साइ-फाई विज्ञापन अभियान

इंदौर।

प्रमुख इनरवियर ब्रांड डॉलर लहर ने गर्मी के सीजन के लिए अपना नया विज्ञापन अभियान लॉन्च किया है। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान अभिनीत यह अभियान हास्य, कल्पना और साइ-फाई (स्ध्द-स्न्द्ध) तत्वों का एक अनूठा मिश्रण है।हाईवे ढाबे की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में दोस्तों के एक समूह और एलियंस के बीच की मुलाकात को यान और बनियान के मजेदार शब्द-खेल (ङ्घशहस्र-श्चद्यड्ड4) के जरिए दिखाया गया है। ञ्जक्कङ्ग/स्द्धठ्ठलड्डद्य द्वारा तैयार और उजेर खान द्वारा निर्देशित यह विज्ञापन ब्रांड को एक विश्वसनीय डेली एसेंशियल के रूप में स्थापित करता है।डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एमडी विनोद कुमार गुप्ता ने कहा कि सैफ अली खान की हाजिरजवाबी और लोकप्रियता ने ब्रांड को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है।

यह अभियान डिजिटल प्लेटफॉर्म समेत सभी प्रमुख मीडिया माध्यमों पर जारी कर दिया गया है।

मार्च में जीएसटी संग्रह 2 लाख करोड़ पार, 8.8 फीसदी की बढ़ोतरी

– घरेलू बिक्री और आयात से कर संग्रह में बढ़ोतरी देखी गई

नई दिल्ली।

मोदी सरकार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 8.8 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। मार्च 2025 में यह संग्रह 1.83 लाख करोड़ रुपये था। वृद्धि का मुख्य कारण घरेलू बिक्री और आयात से राजस्व में बढ़ोतरी को बताया गया है। घरेलू राजस्व 5.9 प्रतिशत बढ़कर 1.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ। वहीं, आयात से प्राप्त राजस्व में 17.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 53,861 करोड़ रुपये रहा। मार्च में रिफंड राशि 13.8 प्रतिशत बढ़कर 22,074 करोड़ रुपये हो गई। रिफंड समायोजित करने पर शुद्ध जीएसटी राजस्व करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत अधिक है। पूरा वित्त वर्ष 2025-26 में सकल जीएसटी संग्रह 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ, जबकि रिफंड समायोजित शुद्ध राजस्व 19.34 लाख करोड़ रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आर्थिक गतिविधियों में स्थिरता और नकदी प्रवाह में सुधार का संकेत है।

रेवेन्यू के अलग-अलग हिस्सों पर नजर डालें तो घरेलू लेनदेन से

मिलने वाला ग्रॉस रेवेन्यू 1.46 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 5.9 प्रतिशत की बढ़त हुई। वहीं, इंपोर्ट से मिलने वाला रेवेन्यू 0.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें 17.8 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दिखाई दी। इसका मतलब है कि देश में आयात गतिविधियां भी काफी मजबूत रही हैं। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के अनुसार ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया। वहीं नेट जीएसटी रेवेन्यू 7.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19.34 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। राज्यों में महाराष्ट्र ने सबसे ज्यादा योगदान दिया, जहां से करीब 0.13 लाख करोड़ रुपये का टैक्स कलेक्शन हुआ।

इसके बाद कर्नाटक और गुजरात का स्थान रहा।

भारतीय रेलवे तैयार कर रहा है कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन में बड़ा बदलाव

- नई नीति यात्रियों को समय पर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। आधिकारिक घोषणा की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार इसे जल्द ही सार्वजनिक किया जा सकता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में इस दिशा में संकेत दिए थे। नई नीति का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को समय पर अपने टिकट रद्द करने के लिए प्रेरित करना और आखिरी समय पर कैंसिलेशन से होने वाले नुकसान को कम करना है। प्रस्तावित नियमों के अनुसार रिफंड राशि यात्रा शुरू होने से पहले कितने घंटे में टिकट कैंसिल किया गया, इस पर निर्भर करेगी-

* 72 घंटे से पहले कैंसिलेशन– अधिकतम रिफंड मिलेगा, केवल न्यूनतम फ्लैट शुल्क कटेगा।
* 24 से 72 घंटे पहले– कुल किराए का 25 प्रतिशत काटा जाएगा।
* 8 से 24 घंटे पहले– केवल 50 प्रतिशत राशि वापस मिलेगी।
* 8 घंटे से कम समय में– कोई रिफंड नहीं मिलेगा।

नई व्यवस्था का सबसे अधिक असर उन यात्रियों पर पड़ेगा जिनकी यात्रा योजनाएं अक्सर बदलती रहती हैं। इसमें व्यवसायी यात्री, तत्काल टिकट लेने वाले और ऐसे परिवार शामिल हैं जिनकी प्लानिंग अचानक बदल जाती है। ऐसे यात्रियों को अब समय पर कैंसिलेशन का निर्णय लेना अनिवार्य होगा, अन्यथा उन्हें अधिक शुल्क देना पड़ेगा। रेलवे का लक्ष्य है कि यात्रियों को समय पर निर्णय लेने की आदत विकसित हो और आखिरी समय पर टिकट कैंसिल करने पर अधिक वित्तीय नुकसान को रोका जा सके। इससे रेलवे का रिफंड प्रबंधन भी सरल होगा और टिकट की बुकिंग सिस्टम अधिक पारदर्शी और सुनिश्चित बनेगी।

सरकार ने आरओडीटीईपी योजना का लाभ 30 सितंबर तक बढ़ाया

– पहले यह योजना 31 मार्च 2026 तक मान्य थी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के कारण वैश्विक व्यापार में व्यवधान को देखते हुए सरकार ने निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं कर की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत निर्यातकों को मिलने वाला वित्तीय लाभ छह महीने के लिए बढ़ाकर 30 सितंबर 2026 कर दिया है। आरओडीटीईपी योजना 2021 में शुरू हुई थी और इसके तहत निर्यातकों पर लगाए गए कर, शुल्क और उपकरों की वापसी 0.3 फीसदी से 3.9 फीसदी तक होती है।

पहले यह योजना 31 मार्च 2026 तक मान्य थी। डीजीएफटी ने कहा कि एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किए गए पात्र निर्यात पर वही दरें लागू रहेंगी। पश्चिम एशिया संकट के कारण समुद्री और हवाई मालभाड़ा बढ़ा है, जबकि बीमा प्रीमियम भी महंगा हो गया है। फरवरी में भारतीय निर्यात 36.61 अरब डॉलर पर घट गया। सरकार ने 487 करोड़ रुपए की 'रिलीफ' योजना भी शुरू की। इसके अलावा तूर, उड़द और पीली मटर का आयात बिना प्रतिबंध के बढ़ाया गया है। वर्जिन मल्टी-लेयर पेपर बोर्ड का न्यूनतम आयात मूल्य एक महीने के लिए 67,220 रुपए प्रति टन किया गया।

इन कदमों का उद्देश्य बढ़े खर्च और जोखिम से जूझ रहे निर्यातकों को समय पर समर्थन देना है।

महाराष्ट्र में प्याज हुआ सस्ता, उत्पादक संघ ने की एमआईएस लागू करने की मांग

– किसानों के वित्तीय संकट को देखते हुए सरकार से तुरंत कदम उठाने की अपील

मुंबई ।

महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने सरकार से बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) को तुरंत लागू करने की मांग की है। संघ का कहना है कि प्याज की कीमतों में तेज गिरावट ने किसानों को गंभीर वित्तीय संकट में डाल दिया है। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के एक पदो धिकारी ने कहा कि कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी स्पष्ट रूप से संकटग्रस्त बिक्री की स्थिति को दर्शाती है और एमआईएस लागू करने के मानदंड पूरे करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार को ज्ञापन भेजकर बताया कि पूरे राज्य में प्याज उत्पादक मंडियों में कीमतों में गिरावट से भारी नुकसान झेल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एमआईएस लागू होने पर सरकार खरीदार के रूप में प्रवेश करके कीमतों को स्थिर, घबराहट में बिक्री रोकने

और व्यापारियों द्वारा दरें दबाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में मदद कर सकती है।

किसानों को फिलहाल प्याज के लिए *300-800 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहे हैं, जबकि उत्पादन लागत 1,500-1,800 रुपये प्रति क्विंटल है।

इस स्थिति में किसान मजबूरी में कम दाम पर बिक्री कर रहे हैं और कई मामलों में सड़क पर प्याज फेंकने को मजबूर हैं। उन्होंने मांग की कि तालुका स्तर पर सरकारी खरीद केंद्र स्थापित किए जाएं, न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाए और मूल्य कमी भुगतान योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज केकेआर और सनराइजर्स जीत के इरादे से उतरेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। यहां के ईडन गार्डन में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीम अपने-अपने शुरुआती मुकाबले में हारी हैं, ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। पिछले आईपीएल सत्र में इन दोनों ही टीमों के बीच कुल दो मुकाबले खेले गए हैं जिसमें से एक केकेआर और एक सनराइजर्स हैदराबाद ने जीता था। इनके बीच अंतिम बार मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हुआ था जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने केकेआर को आसान से हराया था। केकेआर को इस बार कोलकाता में अपने घरेलू मैदान का लाभ मिल सकता है। इस मैदान पर खेले गए आखिरी पांच टी20 मैचों में से तीन मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीता है। ऐसे में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैच पर औसत स्कोर 165 के करीब रहा है। आंकड़ों की बात करें तो अब तक केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 20 जबकि सनराइजर्स ने 10 जीते हैं।

केकेआर की टीम को कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी और वरुण चक्रवर्ती जैसे खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। केकेआर अपने गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पिछले मैच में अर्धशतक लगाने वाले रहाणे एक बार फिर अच्छी शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे।

वहीं सनराइजर्स की ओर से ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन और अभिषेक शर्मा पर पारी का दारोमदार रहेगा। कुल मिलाकर देखा जाये तो मैच भी रोमांचक होना तय है।

नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने से सनराइजर्स की कमान ईशान के पास ही रहेगी। ईशान ने पहले ही मैच में 80 रनों की शानदार पारी खेली थी जिसे वह दोहराना चाहेंगे।

टीम इस प्रकार है

कोलकाता नाइट राइडर्स

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), कैमरून ग्रीन, फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, और ब्लेसिंग मुजरबानी।

सनराइजर्स हैदराबाद

ईशान किशन (कप्तान/विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, और डेविड पायने।

आकाश चोपड़ा ने पंजाब किंग्स से हार के बताई गुजरात टाइटन्स की सबसे बड़ी कमजोरी

Credit : X @gujarat_titans

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि गुजरात टाइटन्स कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर है जिसके कारण टीम परेशानी में पड़ सकती है।

पिछले कुछ सत्र में गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर रहा है और यह सिलसिला मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के इस सत्र के उसके पहले मैच में भी जारी रहा। इस मैच में गुजरात के मध्य क्रम की कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई।

चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा, 'गुजरात टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि वे खुद को कोई दूसरा उपाय खोजने का मौका नहीं दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'कई लोग शायद इस बात पर यकीन न करें लेकिन ग्लेन फिलिप्स के 25 रन वास्तव में आईपीएल में उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। उनसे और अधिक निरंतरता की उम्मीद की जाती है। वाशिंगटन सुंदर को भी तेजी से रन बनाने की जरूरत है।'

चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'उन्होंने शाहरुख खान को टीम में बनाए रखा है, लेकिन मुझे लगता है कि कुमार कुशाग्र भी चयन के हकदार थे। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों पर फिर से विचार करने की जरूरत है।'

चोपड़ा ने गिल की कप्तानी की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'उनकी रणनीति समझ से परे है। जब मैच लगभग खत्म हो चुका था तब भी मोहम्मद सिराज के दो ओवर बचे थे और प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया। कुल मिलाकर शुभमन गिल की कप्तानी में कुछ कमियां नजर आईं।'

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में रेसलिंग का शानदार समापन

-पुरुषों में हिमाचल प्रदेश और महिला वर्ग में असम बना ओवरऑल चैंपियन, सरगुजा में दिखा खिलाड़ियों का दम

सरगुजा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित गांधी स्टेडियम में आयोजित 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' की कुश्ती स्पर्धा का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। चार दिनों तक चली इस कड़ी प्रतिस्पर्धा में देशभर के जनजातीय खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक और रणनीति का लोहा मनवाया। परिणामों के अनुसार, पुरुष वर्ग में हिमाचल प्रदेश ने अपनी बादशाहत कायम करते हुए ओवरऑल चैंपियन की ट्रॉफी जीती, जबकि जम्मू-कश्मीर फर्स्ट रनरअप रहा। वहीं, महिला वर्ग में असम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया, जिसमें झारखंड की टीम फर्स्ट रनरअप के स्थान पर रही।

इस प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के गोल्ड मेडलिस्ट पहलवान नवीश कुमार विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। नवीश ने बताया कि उन्होंने दो साल बाद मैट पर वापसी करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। हिमाचल की महिला कोच अंकिता ठाकुर के अनुसार, उनके राज्य के 15 खिलाड़ियों के दल ने कुल चार गोल्ड, पांच सिल्वर और कई ब्रॉन्ज मेडल जीतकर ऑल ओवर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर कब्जा किया। स्वर्ण पदक विजेताओं को सरकार की ओर से 5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जिससे जनजातीय क्षेत्रों के उभरते खिलाड़ियों को भविष्य में अपनी डाइट और ट्रेनिंग की सुविधाओं को बेहतर बनाने में बड़ी मदद मिलेगी। समापन समारोह के दौरान खिलाड़ियों और कोचों ने छत्तीसगढ़ की मेजबानी और आयोजन की जमकर प्रशंसा की। महिला कोच अंकिता ठाकुर ने कहा कि अब हिमाचल और असम जैसे राज्यों की लड़कियां भी कुश्ती में लड़कों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। हालांकि, उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि जनजातीय बच्चों में अपार शक्ति और स्ट्रेंथ है, लेकिन उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने के लिए और अधिक बेहतर कोच, आधुनिक डाइट प्लान और विश्वस्तरीय सुविधाओं की आवश्यकता है। इस आयोजन ने सिद्ध कर दिया है कि यदि सही मंच मिले, तो देश के दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों से भी विश्वस्तरीय पहलवान निकल सकते हैं।

ईरान को मैच खेलने जाना ही होगा अमेरिका, फीफा का कड़ा फरमान, प्रेसिडेंट ने साफ किया रुख

ईरान (एजेंसी)। ईरान को विश्व कप 2026 के अपने मुकाबले अमेरिका में ही खेलने होंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने स्पष्ट किया कि सभी मैच तय कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित किए जाएंगे।

फीफा विश्व कप 2026 की मेजबानी अमेरिका के साथ कनाडा और मैक्सिको के पास है। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक 16 अलग-अलग मैदानों पर खेला जाएगा। इस बार प्रतियोगिता में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें ईरान की टीम भी शामिल है। ग्रुप जी में ईरान का मुकाबला बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड से होगा। उसके ग्रुप चरण के मैच इंगलवुड और सिएटल में आयोजित किए जाएंगे।

अमेरिका में ही खेलने होंगे मुकाबले

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने स्पष्ट कर दिया है कि ईरान को अपने सभी मुकाबले तय कार्यक्रम के अनुसार ही खेलने होंगे। उन्होंने साफ कहा कि मुकाबलों का स्थान नहीं बदला जाएगा और सभी मैच उसी देश में होंगे, जहां उन्हें पहले से निर्धारित किया गया है। गौरतलब है कि ईरानी फुटबॉल संघ ने हाल ही में यह इच्छा जताई थी कि उनके मुकाबलों को अमेरिका से हटाकर मैक्सिको में कराया जाए। लेकिन फीफा प्रमुख ने इस मांग को खारिज करते हुए कहा कि प्रतियोगिता का कार्यक्रम नहीं बदलेगा और सभी टीमों को तय स्थानों पर ही खेलना होगा।

ईरान की तैयारी जारी

इन सबके बीच ईरान की टीम अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। तुर्की में खेले जा रहे अभ्यास मुकाबलों के दौरान टीम ने अपनी मजबूती दिखाई है। कोस्टा रिका के खिलाफ खेले गए अभ्यास मुकाबले में ईरान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-0 से जीत हासिल की। इसी दौरान जियानी इन्फेंटिनो ने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान विश्व कप में जरूर हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि ईरान एक मजबूत टीम है और उसे प्रतियोगिता में खेलते देखना सुखद होगा। उनके इस बयान से उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान शायद इस बार विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाएगा।

इतिहास बदलने की चुनौती

ईरान की टीम अब तक सात बार विश्व कप में हिस्सा ले चुकी है और 2026 उसका आठवां अवसर होगा। हालांकि, अब तक वह कभी भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी है। ऐसे में इस बार टीम के सामने इतिहास बदलने की बड़ी चुनौती होगी। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए ईरान से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। अब देखना होगा कि क्या यह टीम इस बार अपने पुराने रिकॉर्ड को सुधारते हुए अगले दौर में जगह बना पाती है या नहीं।

मेसी के गोल और असिस्ट से अर्जेंटीना की शानदार जीत, मैत्री मैच में जाम्बिया को 5-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत अर्जेंटीना राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मंगलवार को जाम्बिया को 5-0 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला ब्यूनस आयर्स के मशहूर ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में खेला गया। कोच लियोनेल स्कालोनी ने पिछले मैच में औसत प्रदर्शन के बाद मेसी को दोबारा प्लेइंग इलेवन में शामिल किया, और उन्होंने तुरंत असर दिखाया। मैच के चौथे मिनट में ही मेसी ने शानदार पास देकर जूलियन अल्वारेज से पहला गोल करवाया।

अर्शदीप आईपीएल में सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रुप से छठे खिलाड़ी बने

न्यू चंडीगढ़। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले के एक ही ओवर में 11 गेंदें फेंककर एक अनचाहा रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रुप से छठे गेंदबाज बन गये हैं। अर्शदीप से पहले मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, शार्दुल ठाकुर, संदीप शर्मा और हार्दिक पंड्या सहित पांच गेंदबाजों के नाम संयुक्त रुप से आईपीएल में सबसे लंबा ओवर करने का रिकार्ड है। वहीं गुजरात के खिलाफ मुकाबले में अर्शदीप ने पारी के 20वें ओवर में कुल 11 गेंदें फेंकी। इसके बाद अर्शदीप ने नए ओवर की पहली ही गेंद वाइड की। अगली दो गेंदों पर कोई रन नहीं बना। राहुल ओवर की तीसरी गेंद पर तेवतिया ने चौका लगा दिया। अर्शदीप ने इसके बाद एक नो-बॉल और दो वाइड गेंदें की। वहीं पांचवीं गेंद पर तेवतिया ने एक रन लिया। वहीं अगली ही गेंद अर्शदीप ने वाइड की।

वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले : माइकल वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र के पहले ही मैच में वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी की सराहना करते हुए कहा है उसे भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। वैभव ने जिस प्रकार राजस्थान रॉयल्य की ओर से खेलते हुए चेन्नई सुपरकिग्स के खिलाफ 15 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया उससे वॉन हैरान हैं। वॉन ने कहा कि वैभव को अब आने वाले समय में इंग्लैड दौरे पर भेजना चाहिये। उनका मानना है कि इस उभरते हुए बल्लेबाज को एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार किया जाना चाहिये। वॉन के अनुसार अगर वैभव इंग्लैंड दौरे के लिए सीमित ओवरों के लिए अंतिम ग्यारह में भी जगह नहीं बना पाते, तो भी उन्हें तीन टी20 मैचों की टीम में शामिल किया जाना चाहिए। इससे उन्हें सीनियर खिलाड़ियों के साथ रहने और माहौल समझने का अनुभव मिलेगा। वॉन ने कहा, 'वो भारतीय टीम में कब शामिल किया जाता है मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। अगर मैं भारतीय क्रिकेट में होता, तो मैं उसे उस दौरे पर ले जाता। जरूरी नहीं कि वो अभी टीम में खेल रहे खिलाड़ियों की जगह ले पर उसे टीम के माहौल में लाना जरूरी है। उसे टीम के साथ लाओ, अगर एक-दो मैच खेलने का मौका मिले तो शानदार, लेकिन उसे दौरे पर ले जाओ। उन्होंने साथ ही कहा, 'मैं उसे भारतीय टीम के साथ थोड़ा अनुभव दिलाता। जरूरी नहीं कि वो सीधे टीम में शामिल हो पर उसका टीम के साथ रहना अनुभव के हिसाब से अच्छा रहेगा। उसके प्रदर्शन पर किसी को भी संदेह नहीं है।' पिछले एक साल में वैभव ने काफी रन बनाए हैं। सिर्फ आईपीएल ही नहीं अंडर-19 क्रिकेट में भी धमाका किया है। उन्होंने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में शतक लगाये हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन बनाये। इसके अलावा अंडर-19 विश्वकप में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इस बल्लेबाज ने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल में 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी प्रतिभा दिखायी थी। उसे बाद से ही वैभव ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अंडर-20 एशियाई कप फुटबॉल में जापान के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत

पाथुम थानी (थाईलैंड) (एजेंसी)। भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 में अपना अभियान जापान की मजबूत टीम के खिलाफ शुरू करेगी और इस टूर्नामेंट में खेलने के 20 साल के इंतजार को खत्म करेगी। भारत के लिए यह एक मैच से कहीं अधिक है क्योंकि टीम ने दो दशक में पहली बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है।

मुख्य कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने शुरुआती मैच से पहले वास्तविकता और महत्वाकांक्षा दोनों पर जोर दिया। स्वीडन के कोच एलेक्जेंडरसन ने कहा, 'हमें अच्छी तरह पता है कि भारतीय टीम के साथ हम अभी इस माहौल में नए हैं। हम जानते हैं कि हमारा सामना मजबूत विरोधियों से है और हम उनका सम्मान करते हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन साथ ही हमारी सोच यह है कि हम इस ग्रुप से आगे बढ़ें और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करें। यह पूरे देश के लिए बहुत शानदार होगा।'

इस टूर्नामेंट के लिए भारत की तैयारी बहुत विस्तृत और व्यवस्थित तरीके से हुई है। कजाखस्तान में खेले गए मैत्री मुकाबलों से लेकर स्वीडन में एक महीने तक चले ट्रेनिंग शिविर तक पूरा ध्यान एक ऐसी टीम बनाने पर रहा है जो बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो। कोच ने कहा, 'हम पिछले तीन महीने से लगातार एक साथ हैं।'

एलेक्जेंडरसन ने कहा, 'हमने कजाखस्तान में कुछ मैत्री मैच खेले। हम एक महीने के शिविर के लिए स्वीडन भी गए और हमने उज्बेकिस्तान की टीम को भी भारत में आमंत्रित किया था।' उन्होंने कहा, 'तो हमारी तैयारी काफी अच्छी रही है। मुझे लगता है कि हम इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। म्यांमार में हुए क्वालीफायर मुकाबलों के बाद से हमने बहुत ही एकाग्र होकर काम किया है। हमने तकनीकी, रणनीतिक और मानसिक हर तरह से एक टीम के तौर पर काफी सुधार किया है। हमें पूरा भरोसा है कि हमारी तैयारी ने हमें सबसे अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया है।'

प्रतियोगिता के पहले मैच में भारत के सामने दुनिया की सबसे मजबूत टीम में से एक की चुनौती है। अंडर-20 एशियाई कप की रिकॉर्ड छह बार की चैंपियन जापान की टीम इस बार भी प्रबल दावेदार के तौर पर आई है और 2018 में विश्व चैंपियन भी बनी थी। मुख्य कोच अकीरा इजिरी ने अपनी टीम के इरादे साफ किए। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य साफ है। हम ग्रुप चरण से आगे बढ़कर विश्व कप जीतना चाहते हैं। इस लक्ष्य को पाने के लिए हम अपनी पूरी जान लगा देंगे।'

जापान, ऑस्ट्रेलिया (पांच अप्रैल) और चीनी ताइपे (आठ अप्रैल) के साथ कड़े ग्रुप सी में होने की वजह से भारत का नॉकआउट चरण में जगह बनाना मुश्किल लग रहा है। तीनों ग्रुप में से शीर्ष दो टीम और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीम फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

मोटे बल्ले से बल्लेबाजी करते हुए पकड़े गये राहुल तेवतिया

मुल्लापुर। गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज राहुल तेवतिया आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में उस समय फंस गये जब अंपायर ने मोटे बल्ले का प्रयोग करने के लिए उन्हें पकड़ लिया। अंपायर ने जांच में पाया कि तेवतिया का बल्ला मोटा था। इस प्रकार के बल्ले को वैध नहीं माना जाता है। इसके बाद अंपायर ने तेवतिया को बल्ला बदलने के लिए कहा। तेवतिया ने अंपायर की बात मानते हुए एकदम से बल्ला बदल लिया। आईपीएल में मैच के दौरान कभी भी बल्ले की जांच हो जाती है। अंपायरों के पास एक बैट गेज होता है, जिसकी जांच में अगर बल्ला अगर नहीं निकलता है तो उस बल्ले को बदल दिया जाता है। तेवतिया के मामले में भी ऐसा ही हुआ। वहीं तेवतिया ने कहा कि उनके बल्ले के पीछे स्टीकर लगा हुआ है, जिसकी वजह से बल्ला मोटा नजर आ रहा है पर अंपायरों ने उनकी नहीं सुनी और बल्ला बदलवा दिया। एमसीसी के नियमों के अनुसार बल्लेब की मोटाई 67एमएम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए और किनारे 40एमएस से ज्यादा मोटे न हों। मोटे बल्ले के लिए कोई तय सजा नहीं है पर आईपीएल आचारसहिता के हिसाब ने 50 फीसदी तक की मैच फीस काटी जा सकती है।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में बेथ को पीछे छोड़कर जॉर्जिया शीर्ष पर पहुंची

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर परिषद (आईसीसी) की महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज जॉर्जिया वॉल नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। जॉर्जिया वॉल ने अपनी ही साथी खिलाड़ी बेथ मूनी को पीछे छोड़ा है। जॉर्जिया 8 स्थान ऊपर आयी हैं। वहीं भारत की स्मृति मंधाना दूसरे से तीसरे नंबर पर फिसल गयी हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग की बात करें तो न्यूजीलैंड की अमेलिया केर पहले नंबर पर हैं। वहीं वेस्टइंडीज की हीली मैथ्यूज अब दूसरे स्थान पर आ गयी हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में रेणुका सिंह ठाकुर पांचवें स्थान पर खिसक गई हैं। गेंदबाजी रैकिंग की बात करें तो शीर्ष पर सादिया इकबाल हैं, जबकि दूसरे स्थान पर सोफी एक्लेस्टोन हैं। तीसरे पायदान पर दीप्ति शर्मा, चौथे नंबर पर लॉरेन बेल और पांचवें पायदान पर रेणुका सिंह ठाकुर हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग पर नजर डालें तो शीर्ष पर अमेलिया केर हैं। दूसरे पायदान पर हीली मैथ्यूज, तीसरे पर दीप्ति शर्मा, चौथे पर एशली गार्डनर और चमारी अट्टापट्टू पांचवें नंबर पर हैं। नई रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आईसीसी ने जो लेटेस्ट रैंकिंग जारी की है, उसमें नई नंबर वन बल्लेबाज और नई नंबर वन ऑलराउंडर देखने को मिली है।

श्रेयस अय्यर पर लगा 12 लाख जुर्माना

मुल्लापुर(ईएमएस)। आईपीएल मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पंजाब टीम की धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए श्रेयस पर ये जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से कहा गया है कि पंजाब किंग्स ने धीमी ओवर गति के साथ ही आचार संहिता का उल्लंघन किया है। इसी कारण पंजाब के कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। टीम पंजाब किंग्स टीम अपने घरेलू मैदान में खेले गये इस मैच में टाइटन्स के खिलाफ समय पर आखिरी ओवर को शुरू नहीं कर पाई थी। पहली पेनल्टी तो मैच में ही पंजाब किंग्स पर लग गई थी, जब एक फील्डर को टीम बाहर नहीं रख पाई थी। पांच की जगह चार ही फील्डर बाउंड्री लाइन पर थे। वहीं, अब उन पर स्लो ओवर रेट के लिए फाइन भी लगा है। नियम के अनुसार एक बार टीम इस अपराध के लिए दोषी पाई जाती है तो टीम की मैच फीस भी काटी जाती है कप्तान को दोगुन जुर्माना भरना पड़ता है। इसके अलावा कप्तान पर एक मैच के लिए प्रतिबंध भी लगता है।

अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुझे टी20 के लिए योग्य नहीं माना जा रहा : शमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उन्हें पिछले पांच से छह साल में 130 विकेट लेने के बाद भी टी20 के लिए उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। शमी के अनुसार उन्होंने एकदिवसीय में सबसे तेजी से 200 विकेट लिए हैं। टी20 प्रारुप में भी उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है। इसके बाद भी उन्हें टी20 मैचों में अवसर नहीं मिल रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने माना कि आईपीएल के पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था पर इसके पहले के सत्र में उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल था। शमी ने साल 2023 में सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल किय था। इसके बाद भी उन्हें टी20 के लायक नहीं माना जा रहा है। इसी को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले 5-6 सालों में उन्होंने 130 के करीब विकेट लिए हैं, फिर भी उन्हें टी20 गेंदबाज नहीं समझा जाता, ऐसे में वह क्या कर सकते हैं।

शमी ने कहा, 'आईपीएल के बाद पिछला रिकॉर्ड देखने पर पता चलता है कि देश कोई भी अन्य गेंदबाज मेरे करीब नहीं पहुंचा है। इसके बाद भी मुझे टी20 का गेंदबाज नहीं कहा जाता है।' इसके बाद उन्होंने कहा कि आईपीएल में पर्पल कैप के बाद भी उनको टी20 का गेंदबाज नहीं माना जाता।शमी पिदले दो से तीन साल से टेस्ट में शामिल नहीं हैं। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अंतिम बार साल 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में शमी भारत की तरफ से संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उसके बाद से ही वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। इस दौरान घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है हालांकि इसके बाद भी उन्हें एशिया कप और टी20 क्रिकेट विश्व कप में जगह नहीं मिली। शमी का अब 2027 एकदिवसीय विश्वकप में भी खेलना संदिग्ध है।

गौरतलब है कि शमी आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन करते आए हैं पर पिछला सीजन उनके लिए अच्छा नहीं गया था। आईपीएल 2025 में वह सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा थे लेकिन 9 मैच में सिर्फ 6 विकेट ही ले पाये थे। शमी 2019 से लेकर 2024 तक लगातार आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में से एक रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स की तरफ से 2019 में 19 विकेट, 2020 में 20 विकेट और 2021 में 19 लिए थे। 2022 में शमी गुजरात टाइटंस के साथ चले गए और उन्होंने 20 विकेट झटके। आईपीएल 2023 में उन्होंने 28 विकेट झटके और पर्पल कैप जीता। आईपीएल 2024 में वह नहीं खेले थे और पिछले साल यानी आईपीएल 2025 में वह सिर्फ 6 विकेट ही ले पाए थे। इस बार वह लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम में शामिली हैं। उनके आने से सुपरजायंट्स की गेंदबाजी मजबूत हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जयंती के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जयंती वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

शिव के ग्यारहवें रुद्र हैं हनुमान

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है।
स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे ।परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अत- हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं –

संकट कटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

सभी देवताओं के पास अपनी–अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्ना होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर–अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय–

मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।
यदि शनि दोष से पीढ़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

हनुमान जयंती पर करें ये उपाय

हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्रोत का पाठ करने से आपको मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलती है।
हनुमान जयंती पर उन्हें सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। ऐसा करने से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।
यदि व्यापार में गिरावट हो तो हनुमानजी को चोला चढ़ाने से फायदा मिलता है।
हनुमान जयंती के दिन किसी हनुमान मंदिर की छत पर लाल झंडा लगाने से हर तरह के आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है।

सौभाग्य के लिए आजमाएं यह उपाय

हनुमानजी के मंत्रों का प्रयोग किसी भी शुभ मुहूर्त में मंगलवार या शनिवार को किया जा सकता है। जो व्यक्ति नौकरी, व्यवसाय, करियर, प्यार, सेहत और प्रगति की मनोकामना रखता है, उसके लिए यह प्रयोग वरदान साबित हो सकता है। अत : जिस किसी को भी अपने जीवन में हर तरफ से सफलता पाना है, उसे यह उपाय अवश्य करना चाहिए। रोजगार–ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए हनुमत गायत्री मंत्र की यथाशक्ति 11–21–51 माला करें। देशकाल के अनुसार हवन करें। मंत्र सिद्ध हो जाएगा। पश्चात नित्य 1 माला जपें।

ऊँ नम : शिवाय ऊँ हं हनुमते श्री रामचन्द्राय नम :।
ऊँ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा।
ऊँ नमो भगवते हनुमते महारुद्राय हुं फट स्वाहा
ऊँ हं पवन नंदनाय स्वाहा
ऊँ नमो हरिमर्कट मर्कटाय स्वाहा।
ऊँ ह्रीं आंजेनाय विद्महे, पवनपुत्राय धीमहि तन्नो : हनुमान प्रचोद्यात ।।

इसलिए चढ़ाते हैं हनुमान जी को सिंदूर

रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा– माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है? माता जानकी ने हनुमान की इस उत्सुकता पर कहा, पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढ़ाया जाने लगा।

शनि के प्रभाव से बचाते हैं हनुमान

रामायण से विदित होता है कि लंकापति रावण के सभी भ्राता व पुत्रों की जब मृत्यु हो रही थी तो अपने अमरत्व के लिए उसने सौरमंडल के सभी ग्रहों को अपने दरबार में कैद कर लिया था। रावण की कुंडली में शनि ही एकमात्र ऐसा ग्रह था जिसकी वक्रावस्था व योगों के कारण रावण के लिए मार्केश की स्थिति उत्पन्न हो रही थी जिसे बदलने के लिए रावण ने शनि को दरबार में उलटा लटका दिया था और यातनाएं दी थीं परंतु शनि के व्यवहारों में कोई बदलाव नहीं आया था। जब विभीषण ने हनुमान को इस बारे में में बताया तो हनुमान ने शनि को रावण की कैद से मुक्त कराया था। तभी शनिदेव ने हनुमान को वरदान दिया था कि जो भी उनकी आराधना करेगा उसे वह कष्ट नहीं पहुंचाएंगे।

हनुमान जी की पूजा कब और कैसे करें

भगवान शिव के एकादश रुद्रावतारों में से एक हैं हनुमानजी। आपका जन्म वैशाख पूर्णिमा को हुआ माना जाता है। इसी दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। उनके पूजन की शिवार्चन के जैसी सरल साधना विधि है। आवश्यकता के अनुसार मंत्र इत्यादि में परिवर्तन किया जाता है। पूर्णत : सात्विक रहते हुए हनुमानजी का पूजन–भजन करना चाहिए अन्यथा देव कोप भोगना पड़ सकता है।
साधारणतया हनुमान प्रतिमा को चोला चढ़ाते हैं। हनुमानजी की कृपा प्राप्त करने के लिए मंगलवार को तथा शनि महाराज की साढ़े साती, अढैया, दशा, अंतरदशा में कष्ट कम करने के लिए शनिवार को चोला चढ़ाया जाता है। साधारणतया मान्यता इन्हीं दिनों की है, लेकिन दूसरे दिनों में रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र को चढ़ाने का निषेध नहीं है। चोले में चमेली के तेल में सिन्दूर मिलाकर प्रतिमा पर लेपन कर अच्छी तरह मलकर, रगड़कर चांदी या सोने का वर्क चढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में कुछ बातें समझने की हैं। पहली बात चोला चढ़ाने में ध्यान रखने की है। अछूते (शुद्ध) वस्त्र धारण करें। दूसरी नख से शिख तक (सृष्टि क्रम) तथा शिख से नख तक संहार क्रम होता है। सृष्टि क्रम यानी पैरों से मस्तक तक चढ़ाने में देवता सौम्य रहते हैं। संहार क्रम से चढ़ाने में देवता उग्र हो जाते हैं। यह चीज श्रीयंत्र साधना में सरलता से समझी जा सकती है। यदि कोई विशेष कामना पूर्ति हो तो पहले संहार क्रम से, जब तक कि कामना पूर्ण न हो जाए, पश्चात सृष्टि क्रम से चोला चढ़ाया जा सकता है। ध्यान रहे, पूर्ण कार्य संकल्पित हो। सात्विक जीवन, मानसिक एवं शारीरिक ब्रह्मचर्य का पालन अनिवार्य है। हनुमानजी के विग्रह का पूजन एवं यंत्र पूजन में काफी असमानताएं हैं। प्रतिमा पूजन में सिर्फ प्रतिमा का पूजन तथा यंत्र पूजन में अंग देवताओं का पूजन होता है।
हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण सर्वसाधारण के लिए सरल उपाय हैं। सुन्दरकांड का पाठ भी अच्छा है, समय जरूर अधिक लगता है। हनुमानजी के काफी मंत्र उपलब्ध हैं। आवश्यकता के अनुसार चुनकर साधना की जा सकती है। शाबर मंत्र भी हैं, लेकिन इनका प्रयोग गुरुदेव की देखरेख में करना उचित है। एकदम जादू से कोई सिद्धि नहीं मिलती अत : धैर्य, श्रद्धा, विश्वास से करते रहने पर देवकृपा निश्चित हो जाती है।
शास्त्रों में लिखा है– 'जपात सिद्धि–जपात सिद्धि' यानी जपते रहो, जपते रहो, सिद्धि जरूर प्राप्त होगी। कलयुग में साक्षात देव हनुमानजी हैं। हनुमानजी की साधना से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष सभी करतलगत हो सकते हैं। इति।

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम मिटाएंगे जीवन के सारे संकट.

प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमानजी की उपासना से जीवन के सारे संकट मिट जाते है। माना जाता है कि हनुमानजी एक ऐसे देवता है जो थोड़ी–सी प्रार्थना और पूजा से ही शीघ्र प्रसन्न होते है। इनके पूजन के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन श्रेष्ठ हैं। इन दो दिनों के अलावा भी प्रतिदिन हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नामों का जप करने से हर प्रकार की मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिल जाती है।
हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम

हनुमान अंजनीसुत वायुपुत्र महाबल।
रामेष्ठ फाल्गुण सखा पिंगाक्ष।
अमित विक्रम उदधिक्रमण।
सीता शोक विनाशन लक्ष्मण प्राणदाता।
दशग्रीव दर्पहा।

हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8–11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

दोहा

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

स्तुति

हनुमान अंजनी सूत् र्वायु पुत्रो महाबल :।
रामेष्ट : फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रम :॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशन :।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मन :।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च य : पठेत॥
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उड़ा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुड़ाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया? अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता? हनुमान विनम्रता से कहते हैं, क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं।

रामकथा सुनते हैं हनुमान

माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड़ दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट–काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है? हनुमान ने हृदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

हर समस्या का समाधान है हनुमानजी के पास

हनुमान जी कलयुग में जीवित देवता के रूप में माने जाते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार हनुमान जी एकमात्र ऐसे देवता हैं, जो सशरीर इस पृथ्वी पर विचरण करते हैं, और अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। मान्यता है कि हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसीलिए मंगलवार के दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त शनिवार को भी हनुमान पूजा का विधान है। हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है। राह चलते उनका नाम स्मरण करने मात्र से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं। मानव जीवन का सबसे बड़ा दुख भय है और जो साधक श्री हनुमान जी का नाम स्मरण कर लेता है वह भय से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। हनुमान जी की उपासना से बुद्धि, यश, शौर्य, साहस और आरोग्यता में वृद्धि होती है।

परेशानी दूर करने के अचूक उपाय

रोज हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करने वाले भक्तों को सभी सुख मिलते हैं और धन की प्राप्ति होती है। ऐसे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती और उनकी किस्मत का सितारा चमक जाता है। सुंदरकांड श्रीरामचरितमानस का चौथा अध्याय है। यह श्रीरामचरितमानस का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला भाग है क्योंकि इसमें हनुमान जी के बल, बुद्धि, पराक्रम व शौर्य का वर्णन किया गया है। सुंदरकांड के पढऩे व सुनने से मन में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है। सुंदरकांड के हर दोहा, चौपाई व शब्द में गहन अध्यात्म छुपा है, जिससे मनुष्य जीवन की हर समस्या का सामना कर सकता है। विवाहित स्त्रियां अपने पति या स्वामी की लंबी उम्र के लिए मांग में सिंदूर लगाती हैं, ठीक उसी प्रकार हनुमानजी भी अपने स्वामी श्रीराम के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर लगाते हैं। इसलिए मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर उन्हें सिंदूर व चमेली का तेल अर्पित करें। आपकी मनोकामनाएं जरूर पूरीं होगीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

जैश सरगना मसूद के भाई आतंकी ताहिर की संदिग्ध हालत में मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कुख्यात आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के बड़े भाई आतंकी ताहिर अनवर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने आधिकारिक रूप से इस बारे में कुछ नहीं कहा है लेकिन अनाधिकारिक रूप से अनवर की मौत की पुष्टि की है। हालांकि मौत की वजहों का खुलासा नहीं किया है। उसकी मौत बहावलपुर में हुई बताई जा रही है। ताहिर अनवर भी जैश से जुड़ा था और संगठन में बहुत अहम भूमिका निभाता था। बताया जाता है कि वह संगठन की सभी आतंकी योजनाओं में सक्रिय हिस्सेदारी करता था। सूत्रों के मुताबिक उसका अंतिम संस्कार बहावलपुर में जैश के मुख्यालय में किया जाएगा। भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी घटना पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। ताहिर जैश के सैन्य मामलों का प्रमुख था और आतंकियों की ट्रेनिंग की पूरी जिम्मेदारी साल 2001 से संभाल रहा था। 62 साल का ताहिर अनवर 12 भाई बहनों में सबसे बड़ा था और आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के गठन से पहले मुर्गी पालन करता था।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति ने तीसरी बार शपथ ली

बैंगुई, एजेंसी। मध्य अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति फॉस्टिन-आर्चेंज टौएडेरा ने तीसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। यह शपथ विवादित चुनाव के तीन महीने बाद हुई है। टौएडेरा को दिसंबर में हुए चुनाव में विजेता घोषित किया गया था, लेकिन विपक्षी दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव निष्पक्ष नहीं था। नए कार्यकाल की अवधि अब सात साल होगी, क्योंकि पहले संविधान में बदलाव कर दिया गया था। राष्ट्रपति ने कहा कि उनका लक्ष्य देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना और संसाधनों का पारदर्शी इस्तेमाल करना है। हालांकि, देश में 2013 से जारी संघर्ष और अस्थिरता अभी भी चिंता का विषय है। कई विद्रोही समूह अब भी सक्रिय हैं, जिससे हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाए हैं।

चीन में हाईवे टनल निर्माण स्थल पर विस्फोट, 4 की मौत, 9 घायल

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग इलाके में निर्माणाधीन हाईवे टनल में हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। यह धमाका सोमवार दोपहर हुबेई और सिचुआन प्रांतों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के एक हिस्से के निर्माण स्थल पर हुआ। वान्झोउ जिला परिवहन आयोग के अनुसार, हादसा टनल निर्माण के दौरान हुआ। शुरुआती रिपोर्ट में एक व्यक्ति के लापता होने और 12 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी। बाद में मंगलवार रात तक बचाव दल ने लापता व्यक्ति का शव बरामद कर लिया। वहीं, घायलों में से तीन लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिसकी पुष्टि सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने की। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि विस्फोट ज्वलनशील गैस के कारण हुआ हो सकता है। घटना के बाद प्रशासन ने इलाके को घेर लिया है और हादसे के कारणों की जांच जारी है।

चिली में स्कूल सुरक्षा सख्त करने की तैयारी

सैंटियागो, एजेंसी। चिली के राष्ट्रपति जोसे एंटोनियो कास्ट ने हाल ही में स्कूलों में बढ़ती हिंसा की घटनाओं के बाद सुरक्षा कड़ी करने का ऐलान किया है। पिछले शुक्रवार एक स्कूल में चाकू से हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। इसके अलावा सोमवार को एक 15 साल का छात्र स्कूल में भरी हुई बंदूक लेकर घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। इन घटनाओं के बाद सरकार अब स्कूलों में सख्त कदम उठाने की योजना बना रही है। राष्ट्रपति कास्ट ने कहा कि अब छात्रों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और स्कूलों में प्रवेश के नियम और कड़े किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री मारिया पाज अरजोला ने बताया कि एक नया कानून तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत शिक्षक छात्रों के बैग की जांच कर सकेंगे। साथ ही स्कूलों में मेटल डिटेक्टर लगाने की योजना भी तेज की जाएगी। हालांकि चिली में स्कूलों में हथियारों से हमले आम नहीं हैं, लेकिन हाल के घटनाक्रम ने सरकार और समाज दोनों को चिंता में डाल दिया है।

बाइडन दंपती ने दो पिल्लों को गोद लिया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन ने अपने घर में दो नए पिल्लों को शामिल किया है। इन पिल्लों के नाम 'बू' और 'स्काउट' रखे गए हैं। ये दोनों कुत्ते पहले एक पशु आश्रय में थे, जहां से उन्हें बचाया गया था। बाद में एक पशु कल्याण संस्था मानवीय पशु भागीदार ने इन्हें बाइडन परिवार से मिलवाया। बाइडन परिवार पहले भी अपने पालतू कुत्तों के लिए जाना जाता रहा है। व्हाइट हाउस में रहते समय उनके जर्मन शेफर्ड कुत्ते भी काफी चर्चा में रहे थे।

सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी का निधन; पीएम मोदी ने दुख जताया

पारामारिबो, एजेंसी। सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का 67 साल की उम्र में निधन हो गया है। स्थानीय मीडिया की तरफ से मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को इस घटना की जानकारी दी गई। हालांकि, उनकी मौत का कारण नहीं बताया गया। पूर्व राष्ट्रपति संतोखी का भारत के बिहार राज्य के साथ एक खास कनेक्शन भी रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति का सोमवार को अचानक निधन हो गया। देश की वर्तमान राष्ट्रपति जेनिफर सिमंस ने 67 वर्ष के संतोखी के निधन की पुष्टि की। संतोखी 2020 से 2025 तक राष्ट्रपति के पद पर अपनी जिम्मेदारी निभाते रहे। वह प्रोग्रेसिव रिफॉर्म पार्टी के नेता भी थे और इससे पहले देश में न्यायिक मंत्री का पद संभाल चुके थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताया और उनके व्यक्तिगत संबंध और भारत और सूरीनाम के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में संतोखी की भूमिका को याद किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मेरे दोस्त और सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति, चंद्रिका प्रसाद संतोखी जी के अचानक निधन से बहुत सदमा लगा है और दुखी हूं। यह न केवल सूरीनाम के लिए बल्कि दुनिया भर में फैले भारतीय समुदाय के लिए भी एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। अपनी बातचीत के बारे में बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'मुझे उनके साथ हुई कई मुलाकातें अच्छी तरह याद हैं। सूरीनाम के लिए उनकी बिना थके सेवा और भारत-सूरीनाम के संबंधों को मजबूत करने की उनकी कोशिशें हमारी बातचीत में साफ दिखती थीं। उन्हें भारतीय संस्कृति से खास लगाव था। जब उन्होंने संस्कृत में शपथ ली तो उन्होंने कई लोगों का दिल जीत लिया।' पीएम मोदी ने आगे कहा, 'इस दुख की घड़ी में मैं उनके परिवार और सूरीनाम के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ओम शांति।' प्रधानमंत्री ने दिवंगत नेता के साथ अपनी पिछली मुलाकातों की तस्वीरें भी शेयर कीं। बता दें, सूरीनाम के वानिका जिले के लेलीडॉर्प में जन्मे संतोखी एक इंडो-सूरीनाम हिंदू परिवार से थे और नौ भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उनके दादा-दादी 19वीं सदी में बिहार से बंधुआ मजदूर के तौर पर आए थे। उनके पिता पारामारिबो में बंदरगाह पर काम करते थे, जबकि उनकी मां एक दुकान में सहायक के तौर पर काम करती थीं। कानून प्रवर्तन में अपने शुरुआती करियर की वजह से, उन्हें 'शेरिफ' निकनेम मिला। संतोखी ने सूरीनाम में व्यापार, ऊर्जा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ संबंध मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। सूरीनाम में लगभग 27 फीसदी आबादी की जड़ें भारतीय बंधुआ मजदूरों से जुड़ी है। उन्हें प्रवासी भारतीय सम्मान दिया गया था और वे प्रवासी भारतीय दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर भी शामिल हुए थे। इंडो-सूरीनाम विरासत के संदर्भ में, 2020 में संतोखी का शपथ ग्रहण भारत के साथ मजबूत सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है। दरअसल, संतोखी ने संस्कृत भाषा में राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। सूरीनाम के किसी राष्ट्रपति ने पहली बार संस्कृत भाषा में शपथ ली थी। इसके साथ ही यह देश में बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय मूल की आबादी का सम्मान भी है, जो 19वीं सदी के बंधुआ मजदूरों के वंशज हैं। पीएम मोदी ने अपने मासिक महीने के रेडियो कार्यक्रम मन की बात में पूर्व राष्ट्रपति का जिक्र किया था और भारत की जनता को भारतीय भाषा और संस्कृति के साथ उनके जुड़ाव के बारे में बताया।

53 साल बाद इंसान फिर जाएगा चांद पर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 53 साल बाद इंसानों को फिर से चांद पर भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए 'आर्टेमिस-2' मिशन का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। यह रॉकेट बुधवार शाम को लॉन्च किया जाएगा और इसमें चार अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे। यह मिशन लगभग 10 दिन का होगा। इसमें अंतरिक्ष यात्री पहले पृथ्वी की कक्षा में घूमेंगे और फिर चांद के पास जाकर बिना उतरे वापस लौट आएंगे। मिशन के अंत में उनका कैप्सूल समुद्र में उतरेगा।

इस बार मिशन की खास बात यह है कि इसमें एक महिला, एक अश्वेत और एक गैर-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। नासा का कहना है कि यह मिशन पूरी मानवता के लिए एक नई शुरुआत है। पहले यह मिशन फरवरी में होना था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण इसे टाल दिया गया था। अब सभी दिक्कतें दूर कर ली गई हैं और मौसम भी अनुकूल बताया जा रहा है। नासा का उद्देश्य भविष्य में चांद पर स्थायी मिशन भेजना और आगे मंगल ग्रह तक पहुंचने की तैयारी करना है। यह मिशन अंतरिक्ष अनुसंधान में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

भारत आने वाले ईरानी विमान पर अमेरिका का हमला, तेहरान ने कड़ी निंदा की; मानवीय मिशन बाधित

तेहरान, एजेंसी। ईरान भारत के लिए उड़ान भर रहे मानवता मिशन विमान पर अमेरिकी हवाई हमले के बाद आगबबूला है। घटना के बाद ईरान ने इसे युद्ध अपराध करार दिया और अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। रिपोर्टों के अनुसार, महान एयर का यह विमान ईरान के मशहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला था। यह विमान मानवीय सहायता मिशन के लिए नई दिल्ली आने वाला था, जहां से उसे राहत सामग्री ले जानी थी। हमले से विमान क्षतिग्रस्त हो गया और पूर्व नियोजित मानवीय सहायता मिशन बाधित हो गया। भारत में ईरानी दूतावास ने कहा कि सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के नियमों के अनुसार, मानवीय मिशनों में लगे नागरिक विमानों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। दूतावास ने लिखा दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों को ले जा रहे इस ईरानी विमान पर हमला करना युद्ध अपराध है। ईरानी दूतावास ने बताया कि शिकागो कन्वेंशन (1944) और मॉन्ट्रियल कन्वेंशन (1971) के तहत, नागरिक विमानों पर हमले अंतरराष्ट्रीय अपराध माने जाते हैं। इसके अलावा जिनेवा कन्वेंशन के अतिरिक्त प्रोटोकॉल I, अनुच्छेद 52 के अनुसार, नागरिक वस्तुओं पर हमले, जिनमें मानवतावादी सहायता विमान भी शामिल हैं, युद्ध अपराध में आते हैं। दूतावास ने अमेरिका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की मांग की है और कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। बताया जा रहा है कि यह विमान 1 अप्रैल सुबह 4:00 बजे पहुंचने वाला था। इस घटना के बाद देश में नागरिक उड्डयन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बता दें कि, महान एयर एक निजी स्वामित्व वाली ईरानी एयरलाइन है जो पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिणपूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के कई देशों में उड़ानें संचालित करती है। क्षतिग्रस्त हुए विमान को भारत से दवाइयों सहित 11 टन मानवीय सहायता ईरान ले जानी थी। पहले की खेपों में भारतीय उड़ानों का इस्तेमाल नहीं किया गया था। ईरान के लिए भारत की पहली सहायता खेप 18 मार्च 2026 को भेजी गई थी। तब भारत ने कहा था कि यह सहायता दोनों देशों के बीच दोस्ती और सभ्यतागत संबंधों का प्रतीक है।

फ्लोरिडा एयरपोर्ट का नाम ट्रंप के नाम पर रखने की मंजूरी

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक एयरपोर्ट का नाम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखने को मंजूरी मिल गई है। साथ ही ट्रंप ने मियामी में अपनी प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के लिए प्रस्तावित गगनचुंबी इमारत का डिजाइन भी जारी किया। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस ने एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' रखा जाएगा। यह बदलाव जुलाई से लागू होगा। यह एयरपोर्ट ट्रंप के मार-ए-लागो एस्टेट के पास स्थित है। इसके कुछ घंटों बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी प्रस्तावित प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के डिजिटल डिजाइन की झलक दिखाई गई। डिजाइन का श्रेय मियामी स्थित फर्म बर्मेलो अजामिल को दिया गया है। ट्रंप ने इस वीडियो के साथ कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की, केवल अपनी लाइब्रेरी की एक नई वेबसाइट का लिंक दिया, जिस पर 'जल्द आ रहा है' लिखा है और दान करने का विकल्प भी मौजूद है।

व्हाइट हाउस ने इस योजना को लेकर पूछे गए सवालों का तत्काल कोई जवाब नहीं दिया है। इस परियोजना के लिए मियामी डेड कॉलेज ने शहर के केंद्र में लगभग 3 एकड़ जमीन उपहार के रूप में दी है। दिसंबर में एक न्यायाधीश ने इस जमीन के हस्तांतरण को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। इस जमीन की कीमत 6.7 करोड़ डॉलर से अधिक बताई जा रही है।

मंगोलिया को एक साल में मिला तीसरा प्रधानमंत्री : उलानबटार, एजेंसी। मंगोलिया की संसद ने उच्राल न्याम-ओसोर को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। एक साल के भीतर यह तीसरी बार है, जब देश को नया प्रधानमंत्री मिला है। यह फैसला संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और आर्थिक चुनौतियों से निपटने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मंगोलिया में बढ़ते आर्थिक दबाव के बीच उच्राल ने राजनीतिक एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आंतरिक मतभेदों ने बाहरी चुनौतियों को और गंभीर बना दिया है। सोमवार रात संसद के 126 में से 107 सांसदों ने मतदान में हिस्सा लिया, जिनमें से 88 सांसदों (करीब 82.2 प्रतिशत) ने उच्राल के समर्थन में वोट दिया। इसके साथ ही 39 वर्षीय नेता के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया।

पाकिस्तान खुद एक समस्या, भारत है उससे अच्छा मीडिएटर, इजरायल से उठी मांग

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल का कहना है कि पाकिस्तान से अच्छा मध्यस्थ भारत साबित होता। यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब पाकिस्तान लगातार मध्यस्थ बनने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, खबरें हैं कि ईरानी पक्ष ने बातचीत से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने वार्ता की मेजबानी करने का अनुरोध किया था। एक इंटरव्यू के दौरान इजरायली विदेश मंत्रालय की विशेष दूत फ्लूर हस्सन-नहूम से पाकिस्तान की मध्यस्थता को लेकर सवाल किया गया। उन्होंने कहा, 'मेरा मतलब है, मुझे नहीं पता कि पाकिस्तानियों का क्या लगता है कि वे क्या कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वे खुद को प्रासंगिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वे खुद जिहादी आतंकवाद की दुनिया में एक बहुत बड़ी समस्या हैं। लेकिन, आप जानते हैं, वे कोशिश कर सकते हैं। मुझे यकीन नहीं है कि वे बहुत सफल होंगे।'

भारत की तारीफ : इस दौरान उन्होंने भारत की तरफ से उठाए गए कदमों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा, 'भारत इजरायल का एक बहुत करीबी सहयोगी है। जैसा कि आप जानते हैं, युद्ध शुरू होने से कुछ ही दिन पहले आपके प्रधानमंत्री यहां आए थे। और हम समझते हैं कि भारत सभी के साथ बेहतरीन संबंध रखता है। अगर आप मुझसे पूछें, तो वे पाकिस्तान की तुलना में कहीं बेहतर मध्यस्थ हो सकते हैं। लेकिन देखते हैं कि चीजें आगे कैसे बढ़ती हैं।'

पाकिस्तान कर रहा कोशिशें : पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने रविवार को कहा कि सऊदी अरब, मिस्र और तुर्किये के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक के बाद इस्लामाबाद अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता आयोजित करेगा। डार ने विदेश मंत्रियों के पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा किए जाने के दौरान यह बात कही। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में गंभीर संकट पैदा हुए हैं।

ईरान ने कर दिया बातचीत से इनकार : ईरान ने सोमवार को अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने पर बातचीत करने से इनकार किया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि तेहरान को मध्यस्थों के माध्यम से संदेश मिले हैं कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। उनकी ओर से भेजी गई शर्तें अतार्किक हैं। हमारा रुख साफ है। हमपर सैन्य हमला हुआ है। इसलिए हमारी पूरी ताकत अपनी रक्षा पर ध्यान लगा रहे हैं। प्रेस ब्रीफिंग में इस्माइल बघाई ने कहा कि अब तक ईरान और अमेरिका के बीच सिर्फ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है। कोई सीधी बातचीत नहीं हुई है। पाकिस्तान में हुई बैठकों पर ईरान ने स्पष्ट किया कि ये उनकी अपनी पहल है, इसमें ईरान शामिल नहीं है। बघाई ने कहा कि ईरान का रुख सुरक्षा से स्पष्ट रहा है, जबकि अमेरिका अपने रवैए में लगातार बदलाव करता रहा है। बघाई ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी जो चाहें बोल सकते हैं।

पत्रकारों से बदसलूकी पर इस्राइली सेना की कार्रवाई, बटालियन को किया निलंबित; सेनाध्यक्ष ने जताया खेद

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने वेस्ट बैंक के जुडिया और सामरिया इलाके में पत्रकारों के साथ अपने सैनिकों के गलत व्यवहार को स्वीकार किया है। चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ की अगुवाई में हुई एक आंतरिक जांच के बाद सेना ने यह कदम उठाया है। यह मामला 'एरिया ए' में एक अवैध चौकी को खाली कराने के अभियान से जुड़ा है। इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ ने पत्रकारों के प्रति सैनिकों के आचरण की जांच पूरी कर ली है। जांच में पाया गया कि पत्रकारों के साथ व्यवहार के दौरान सैनिकों से कई गलतियां हुईं। रिपोर्ट के अनुसार, सैनिकों के व्यवहार के तरीके में कमियां थीं और उन्होंने सेना के आदेशों का उल्लंघन किया। सैनिकों ने प्रेस के सदस्यों के साथ बातचीत के लिए तय किए गए नियमों का पालन नहीं किया।

जांच के नतीजों से पता चला कि उस इलाके में तैनात सैनिकों ने सैन्य प्रोटोकॉल को नजरअंदाज किया। ऑपरेशन वाले क्षेत्रों में पत्रकारों के साथ कैसे पेश आना है, इसके लिए बने नियमों को तोड़ा गया। इन गलतियों ने यूनिट के अनुशासन और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बटालियन को किया गया निलंबित : इन कमियों को देखते हुए इस्राइली सेना ने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की है। सेना ने उस इलाके में तैनात बटालियन के ऑपरेशनल तैनाती को तुरंत निलंबित कर दिया है। सेना ने अपना रुख साफ करते हुए कहा कि वह प्रेस की आजादी का सम्मान करती है और उसे बढ़ावा देती है। सेना ने इस घटना पर गहरा खेद जताया है। यह कदम मीडिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह भरोसा दिलाने के लिए उठाया गया है कि सेना प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्ध है। मुख्य सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने इस मामले पर कड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने इसे एक गंभीर नैतिक घटना बताया जो सेना के मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हर सैनिक भर्ती के समय शपथ लेता है कि हथियारों का इस्तेमाल केवल मिशन को पूरा करने के लिए होगा। हथियारों का इस्तेमाल कभी भी बदला लेने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि इस्राइली सेना के भीतर ऐसी घटनाओं को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों को खाली कराना हमेशा से एक संवेदनशील और विवादित प्रक्रिया रही है। इन अभियानों के दौरान अक्सर पत्रकार, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग वहां मौजूद रहते हैं। ऐसे में सेना के लिए नियमों का सख्ती से पालन करना और मीडिया के साथ सही तालमेल बनाए रखना बहुत जरूरी होता है।

होर्मुज पर नेतन्याहू ने सुझाया स्थाई समाधान, बोले- सैन्य कार्रवाई कुछ समय के लिए दे सकती है स्थिरता

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया की ऊर्जा सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए एक सुझाव दिया है। उन्होंने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने के लिए ऊर्जा पाइपलाइनों का रास्ता बदलना चाहिए। नेतन्याहू के अनुसार, इन पाइपलाइनों को सऊदी अरब के रास्ते लाल सागर और भूमध्य सागर की तरफ ले जाना एक स्थायी समाधान हो सकता है।

क्या बोले नेतन्याहू : नेतन्याहू ने न्यूजमैक्स के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के पास है। इस वजह से ईरान जब चाहे वैश्विक ऊर्जा सप्लाई को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि सैन्य समाधान केवल कुछ समय के लिए स्थिरता दे सकता है। लेकिन अगर पाइपलाइनों का रास्ता बदल दिया जाए, तो ईरान की रणनीतिक ताकत कम हो जाएगी। नेतन्याहू का मानना है कि जमीन के रास्ते नए पाइपलाइन नेटवर्क बनाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर ईरान का दबदबा खत्म होगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण रास्तों में से एक है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल निर्यात इसी रास्ते से होता है। इसके एक तरफ ईरान है और दूसरी तरफ सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान जैसे देश स्थित हैं।

होर्मुज पर ईरान की नई नीति : इस बीच, ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने 'होर्मुज जलडमरूमध्य प्रबंधन योजना' को मंजूरी दे दी है। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, इस योजना के तहत ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर टैक्स (टोल) लगाएगा। यह टैक्स ईरान की मुद्रा रियाल में लिया जाएगा। इस योजना में जहाजों की सुरक्षा, पर्यावरण की रक्षा और वित्तीय इंतजामों के कड़े नियम शामिल हैं। ईरान की इस नई योजना में यह भी कहा गया है कि अमेरिका और इस्राइल के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने की अनुमति नहीं मिलेगी। साथ ही, उन देशों के जहाजों पर भी रोक रहेगी जो ईरान पर एकतरफा पाबंदियां लगाते हैं। ईरान इस जलमार्ग पर अपनी संप्रभुता और सेना की भूमिका को मजबूत कर रहा है। इसके लिए वह ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने पर भी काम कर रहा है। इस बीच, व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद तेल के टैंकरों की आवाजाही जारी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह सब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में हुई कूटनीति का नतीजा है। लेविट ने उन दावों को खारिज कर दिया कि ईरान अपनी मर्जी से केवल कुछ जहाजों को जाने दे रहा है। आने वाले दिनों में 20 और टैंकरों के निकलने की उम्मीद है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिकी प्रशासन की लगातार कोशिशों के बिना टैंकरों की यह आवाजाही संभव नहीं होती।

वियतनाम की राजधानी में 2026 में अब तक कोविड-19 के 29 मामले सामने आए

हनोई, एजेंसी। वियतनाम की राजधानी हनोई में वर्ष की शुरुआत से अब तक कोविड-19 के 29 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि किसी के मौत की सूचना नहीं मिली है। हनोई सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने बताया कि 20 से 27 मार्च के बीच 12 कम्यून और वार्ड में 17 नए कोविड-19 संक्रमण दर्ज किए गए, जबकि पिछले सप्ताह केवल तीन मामले सामने आए थे। बीए.3.2 वैरिएंट के संबंध में, जिसे वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मॉनिटर किया जा रहा है, स्थानीय स्वास्थ्य विभाग ने जनता से सावधान रहने के साथ घबराने से बचने की सलाह दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, यह वैरिएंट लैब स्थितियों में कुछ एंटीजनिक बदलाव और इम्यून एस्केप विशेषताएं दिखाता है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से भीड़भाड़ वाले या बंद स्थानों में मास्क पहनने, नियमित सफाई और लक्षण बिगड़ने पर चिकित्सकीय देखभाल लेने जैसे बचाव उपाय बनाए रखने की सलाह दी। हाल ही में एक नया कोविड-19 वैरिएंट, जिसे अनौपचारिक रूप से 'सिकाडा' कहा गया है, कई क्षेत्रों में सीमित समूहों में पाया गया है, जिससे वैज्ञानिक इसके संक्रमण, संक्रामक क्षमता और संभावित प्रभाव की करीबी निगरानी कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, कोविड-19 एक संक्रामक रोग है, जिसे सार्स सीओवी-2 वायरस पैदा करता है। इस वायरस से संक्रमित अधिकांश लोग हल्के से मध्यम श्वसन रोग का अनुभव करेंगे और बिना विशेष उपचार के ठीक हो जाएंगे। हालांकि, कुछलोग गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं और उन्हें चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता हो सकती है। बुजुर्ग और हृदय रोग, मधुमेह, पुरानी श्वसन बीमारी या कैंसर जैसी पूर्व मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोग गंभीर बीमारी विकसित होने की अधिक संभावना रखते हैं। किसी भी उम्र में कोई भी व्यक्ति कोविड-19 से संक्रमित हो सकता है और गंभीर रूप से बीमार या मृत्यु के जोखिम में रह सकता है। संक्रमण को रोकने और धीमा करने का सबसे अच्छा तरीका है रोग और वायरस के फैलाव के बारे में अच्छी जानकारी रखना। दूसरों से कम से कम एक मीटर की दूरी बनाए रखें, ठीक से फिट किया हुआ मास्क पहनें, हाथ धोएं या अल्कोहल आधारित हैंड रब का नियमित उपयोग करें। जब आपकी बारी आए तो टीका लगवाएं और स्थानीय दिशानिर्देशों का पालन करें। वायरस संक्रमित व्यक्ति के मुंह या नाक से निकलने वाले छोटे तरल कणों के माध्यम से फैल सकता है, जब वह खांसता, छींकता, बोलता, गाता या सांस लेता है। ये कण बड़े श्वसन बूंदों से लेकर छोटे एरोसोल तक हो सकते हैं। श्वसन शिष्टाचार का पालन करना महत्वपूर्ण है, जैसे कि खांसते समय कोहनी को मोड़कर खांसना और यदि आप अस्वस्थ महसूस करें तो घर पर रहकर आत्म-एकांत अपनाना चाहिए जब तक आप पूरी तरह स्वस्थ न हो जाएं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डेडलाइन के दिन नक्सलियों का छिपाया 14 करोड़ का माल बरामद, 25 ने किया सरेंडर

चार जिलों में 34 नक्सलियों ने हथियार डाले, इसमें 12 महिला माओवादी कैडर शामिल

बस्तर ।

छत्तीसगढ़ में नक्सली खात्मे की डेडलाइन के दिन नक्सलियों का छिपाया हुआ 14 करोड़ का माल बरामद हुआ है। बीजापुर में 25 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनसे मिले इनपुट के बाद ही 3 करोड़ कैश और 7 किलो गोल्ड बरामद हुआ। इसे अब तक का सबसे बड़ा डंप माना जा रहा है। इसी तरह चार जिलों में 34 नक्सलियों ने हथियार डाले। इसमें दंतेवाड़ा में पांच, सुकमा में दो और कांकेर में दो नक्सली शामिल हैं। पुलिस ने दंतेवाड़ा जिले को नक्सल मुक्त होने का दावा किया है। वहीं, कांकेर में अब भी 14 नक्सली सक्रिय हैं, पुलिस इनसे संपर्क की कोशिश कर रही है।

बीजापुर में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के 25 नक्सलियों ने 93 हथियारों के साथ सरेंडर किया है। इसमें 12 महिला माओवादी कैडर शामिल हैं। सभी पर 1.47 करोड़ का इनाम घोषित किया गया था। इनमें मंगल कोरसा ऊर्फ मोटू, आकाश ऊर्फ फागु उईका, डीवीसीएम शंकर मुचाकी, एसीएम राजू रैयाम ऊर्फ मुन्ना, एसीएम पाले कुरसम जैसे बड़े नक्सली शामिल हैं। मंगल 8 लाख का इनामी रहा है और 12 बड़ी घटनाओं में शामिल है। शंकर मुचाकी (33) भी 8 बड़े वारदातों में शामिल रहा। पाले कुरसम पांच घटनाओं में शामिल था।

जिले में 1 जनवरी 2024 से लेकर 31 मार्च 2026 तक कुल 1003 माओवादी कैडरों ने सरेंडर किया है। इसके पहले 5.37 करोड़ का डंप मिला था, जिसमें 1.64 करोड़ का 1 किलो सोना और 3.73 करोड़ कैश था। इस प्रकार अब तक 19.43 करोड़ का डंप मिला है। जिसमें 6.63 करोड़ कैश और 12.80 करोड़ का 8.20 किग्रा सोना शामिल है। दंतेवाड़ा पुलिस लाइन कारली में 31 मार्च को ÷पूना मारगेम-पुनर्वास से पुनर्जीवन÷ अभियान के तहत सरेंडर कार्यक्रम हुआ। इसमें दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े पांच नक्सली मुख्यधारा में लौटे हैं। इनमें 4 महिला कैडर शामिल हैं।

पुलिस ने अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान इंसास, एसएलआर, कार्बाइन, लॉन्चर समेत कई हथियार भी बरामद किए हैं। एसपी ने दावा किया है कि अब दंतेवाड़ा जिला भी नक्सल मुक्त हो चुका है। यहां की आबो हवाओं में अब हिंसा नहीं बल्कि अमन, चैन और शांति महसूस की जा सकती है। सुकमा में दो महिला नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन पर 8-8 लाख का इनाम था। वे माओवादी कैडर के रैंक कंपनी के सदस्य है, सुकमा के ही रहने वाली है। सरेंडर के बाद इनसे मिले इनपुट के बाद हथियारों और पांच लाख कैश का बड़ा डंप भी मिला है।

शी टैंक' शोकेस कार्यक्रम में महिलाओं ने दिखाई प्रतिभा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा 'शी टैंक' शोकेस कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य घरेलू कामकाजी महिलाओं को आगे बढ़ाने के साथ साथ उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहन देना था। आयोजन में कामकाजी महिलाओं ने अपने बिज़नेस का प्रेजेंटेशन दिया एवं बिज़नेस के बारे में बताया। इसके लिए महिला शाखा द्वारा पहले दो दिन की ट्रेनिंग वर्कशॉप भी रखी गई थी। आयोजन में महिलाओं को बिज़नेस में आने वाली चुनौतियों के बारे में भी चर्चा की गई। ट्रस्ट द्वारा बेस्ट प्रेजेंटेशन को पुरस्कार एवं उपहार दिया गया। आयोजन में 500 से अधिक महिलायें उपस्थित रहीं। इस मौके पर महिला शाखा की अध्यक्षा रुचिका रुंगटा,प्रीति गोयल, अनुराधा जालान, शालिनी चौधरी, आरती मित्तल, सरोज अग्रवाल, अलका अग्रवाल, सीमा बघेरिया सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहीं।

भारत के पास 40 दिनों का ईंधन भंडार सुरक्षित, वैश्विक संकट के बीच घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के सचिव अंजन कुमार मिश्रा ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के पास वर्तमान में तरल ईंधन का इतना भंडार मौजूद है जो देश की 20 से 40 दिनों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। नई दिल्ली में आयोजित पीएचडीसीसीआई हाइड्रोकार्बन समिट 2026 के दौरान मिश्रा ने वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। मिश्रा ने वास्तविकता को स्वीकार करते हुए कहा कि हालांकि हम तरल ईंधन का रिजर्व रखते हैं, लेकिन ऐसा भंडार बनाना संभव नहीं है जो छह महीने या उससे अधिक समय तक चल सके। उन्होंने कहा कि मौजूदा बैकअप 20 से 40 दिनों की मांग के लिए उचित है। पश्चिम एशिया के संकट पर बात करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि इसका प्रभाव भारत पर पड़ रहा है, लेकिन सरकार ने इससे निपटने के लिए पुख्ता योजना बनाई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अधिकारियों की टीम वैश्विक स्थिति पर पल-पल नजर रख रही है। वैश्विक तनाव के कारण पैदा हुई चिंताओं को खारिज करते हुए पीएनजीआरबी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि देश में जीवाश्म ईंधन की कोई कमी नहीं है और जनता को घबराने (पैनिक करने) की कतई आवश्यकता नहीं है। भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर रहा है, बल्कि संकट की इस घड़ी में बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों की भी सक्रिय रूप से मदद कर रहा है।आयात पर निर्भरता के सवाल पर मिश्रा ने कहा कि घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन को बढ़ाना एक क्रमिक प्रक्रिया है और इसे रातों-रात नहीं बदला जा सकता। हालांकि, भारत ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए तेल खरीद के विकल्पों का दायरा बढ़ाया है। अब भारत केवल पश्चिम एशिया पर निर्भर नहीं है, बल्कि रूस, वेनेजुएला और मोजाम्बिक जैसे नए बाजारों से भी तेल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

कुवैत में जान गंवाने वाले 20 भारतीयों के पार्थिव शरीर विशेष विमान से पहुंचे कोच्चि

कोच्चि।

कुवैत में अलग-अलग घटनाओं में अपनी जान गंवाने वाले 20 भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर मंगलवार को केरल के कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध की स्थिति के कारण वैश्विक विमान सेवाओं में आए भारी व्यवधान के चलते इन शवों को वतन लाने की प्रक्रिया में काफी विलंब हुआ। कुवैत एयरवेज की विशेष उड़ान (केयू 5632) कोलंबो के रास्ते कोच्चि पहुंची। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह विमान विशेष रूप से केवल शवों को भारत लाने के लिए ही संचालित किया गया था और इसमें कोई अन्य यात्री सवार नहीं था। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से कुवैत में विभिन्न प्राकृतिक और अन्य कारणों से जान गंवाने वाले इन भारतीयों के शव वहां फंसे हुए थे। हालांकि इन मौतों का वर्तमान युद्ध से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, लेकिन इस क्षेत्रीय संघर्ष के कारण उड़ानों के शेड्यूल में आई दिक्कतों ने इस पूरी प्रक्रिया को काफी जटिल बना दिया था। विमान के लैंड करते ही सभी 20 पार्थिव शरीरों को उनके पैतृक स्थानों पर भेजने की त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी गई। मरने वालों में अधिकांश लोग केरल के कोझिकोड, अलाप्पुझा और कोट्टायम जिलों के निवासी थे। इसके अतिरिक्त, कुछ शवों को सड़क मार्ग से तमिलनाडु भी भेजा जाना है। हवाई अड्डे पर एम्बुलेंस और अन्य आवश्यक प्रबंध पहले से ही सुनिश्चित कर लिए गए थे ताकि परिजनों को और अधिक प्रतीक्षा न करनी पड़े। कुवैत में फंसे इन पार्थिव शरीरों की घर वापसी का मामला कूटनीतिक और लॉजिस्टिक कारणों से लंबे समय से लंबित था। अब सभी कानूनी और आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इन शवों को अंतिम संस्कार के लिए उनके शोक संतप्त परिजनों को सौंप दिया गया है। क्षेत्रीय तनाव के बीच इस मानवीय मिशन का सफल होना उन परिवारों के लिए एक बड़ी राहत है, जो हफ़्तों से अपने प्रियजनों के अंतिम दर्शन का इंतजार कर रहे थे।

रेल यात्रियों को स्‍ वादिष्‍ ट भोजन परोसने आईआरसीटीसी ने बनाए नए नियम

वंदे भारत में अमूल दही में कीड़े मिलने के बाद रेलवे ने उठाया सख्त कदम

नई दिल्ली ।

ट्रेन में मिलने वाले खाने में शिकायतों और पेनाल्‍टी के बाद अब आईआरसीटीसी नए नियम बना रहा है, जिससे भविष्‍ य में इस तरह की शिकायतों पर लगाम लगाई जा सके। यात्रियों को बेहतर क्‍वालिटी और स्‍वादिष्‍ ट भोजन परोसा जा सके। हाल ही में पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में अमूल दही में कीड़े मिलने की शिकायत पर आईआरसीटीसी ने बड़ी कार्रवाई की है। सूत्रों के मुताबिक आईआरसीटीसी नया एसओपी बनाने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पटना-टाटानगर वंदे भारत में एक यात्री ने अमूल दही में कीड़े मिलने के वीडियो वायरल होने के बाद रेल मंत्रालय और आईआरसीटीसी ने मामले को गंभीरता से लिया। लाइसेंसी पर भारी जुर्माना लगाया, अनुबंध समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू की और ब्लैकलिस्टिंग की तैयारी कर ली है। रेलवे ने आईआरसीटीसी पर 10 लाख रुपए और कैटरर पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इतना ही नहीं 27 मार्च को अमूल कंपनी को बुलाकर स्पष्टीकरण मांगा। आईआरसीटीसी के मुताबिक यात्री सुरक्षा और खाने की गुणवत्ता सबसे ऊपर है। यह पहला मामला नहीं है। पिछले साल 2024-25 में आईआरसीटीसी को खाने की गुणवत्ता को लेकर 6,645 शिकायतें मिली थीं, जिनमें 1,341 मामलों में जुर्माना लगाया गया। पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं हुई हैं। एक अन्‍ य मामले में आईआरसीटीसी पर कंज्यूमर फोरम ने 30,000 रुपए जुर्माना भी लगाया था। सूत्रों के मुताबिक ऐसे मामलों में सख्त एक्शन के बाद आईआरसीटीसी अब नया एसओपी तैयार कर रहा है, जिसमें खाने की सप्लाई, स्टोरेज, पैकिंग और सर्विंग के लिए सख्त नियम होंगे। आईआरसीटीसी के अधिकारी के मुताबिक यात्री अब सीधे ऐप या हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। वंदे भारत समेत प्रीमियम ट्रेनों में खाने की गुणवत्ता पर विशेष नजर रखी जा रही है। यह कदम आम यात्रियों के लिए राहत की खबर है। आईआरसीटीसी का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रांसजेंडर व्यक्ति संशोधन विधेयक, 2026 को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी है। नए कानून का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को शारीरिक क्षति पहुंचाने वाले अपराधियों के लिए क्रमिक दंड का प्रावधान करना है। कानून मंत्रालय ने 30 मार्च को इसकी अधिसूचना दी। विपक्षी सांसदों ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 की आलोचना कर कहा कि इसमें समलैंगिक पुरुषों (गे) और समलैंगिक महिलाओं (लेस्बियन) को इसके दायरे से बाहर किया गया है।

विधेयक में यह निर्धारित करने के लिए एक प्राधिकरण के गठन का प्रावधान किया गया है कि कोई व्यक्ति ट्रांसजेंडर है या नहीं।

इस प्रावधान को लेकर भी विपक्ष ने आपत्ति जाहिर की है। कानून मंत्रालय की 30 मार्च की अधिसूचना के अनुसार, संशोधित कानून केंद्र द्वारा राजपत्र में अधिसूचना जारी कर निर्धारित तिथि से लागू होगा।

संसद के दोनों सदनों में हुई बहस के दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की सुरक्षा करना है, जबकि विपक्ष ने आरोप लगाया कि यह प्रस्तावित कानून आत्म-पहचान के अधिकार को सीमित करता है।

विपक्ष ने विधेयक को व्यापक विचार-विमर्श के लिए स्थायी समिति को भेजने की मांग भी की।

एसएसबी ने 55 बोरी यूरिया किया जब्त, नेपाल भेजने की थी तैयारी

जिला प्रशासन ने कार्रवाई कर 10 दुकानों को किया सील

मोतिहारी ।

पूर्वी चंपारण के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आदापुर, बनकटवा और घोड़ासहन में कई खाद दुकानों और गोदामों को सील कर दिया। इस कार्रवाई में सैकड़ों बोरी यूरिया जब्त किया गया है, जिसे कालाबाजारी और सीमा पार तस्करी के लिए छिपाकर रखा गया था। जांच में सामने आया कि यह खाद कालाबाजारी के जरिए नेपाल भेजने की तैयारी में थी। सशस्त्र सीमा बल यानी एसएसबी ने भी महुआवा इलाके में 55 बोरी यूरिया जब्त नेटवर्क का खुलासा किया है। जानकारी के मुताबिक भारत-नेपाल सीमा इलाके में यूरिया की कालाबाजारी लगातार हो रही है। जिला प्रशासन ने भारत-नेपाल सीमा के आदापुर, बनकटवा और घोड़ासहन इलाके में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई गोदामों को सील किया है।

वहीं, ढाका और घोड़ासहन में सख्ती जिला प्रशासन की टीम ने ढाका प्रखंड की करीब एक दर्जन खाद दुकानों को सील किया है। दूसरी ओर घोड़ासहन में 300 बोरी यूरिया, जिसे कालाबाजारी के लिए गोदाम में छुपाकर रखा था, उसे भी जब्त किया है। भारत-नेपाल सीमा इलाके में खाद की तस्करी की खबरें मीडिया में आने के बाद जिला प्रशासन की टीम हरकत में आई, जिन दुकानों पर कार्रवाई हुई उनमें यादव खाद भंडार, ओम साईं कृषि केंद्र, विकास खाद भंडार, चौधरी खाद भंडार, रमेश खाद भंडार, महालक्ष्मी खाद भंडार, दुर्गा खाद भंडार और साहू इंटरप्राइजेज शामिल हैं।

इन सभी दुकानों की जांच की गई और इसके बाद सील कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि लगातार मीडिया में आ रही खबरों और शिकायतों के बाद यह संयुक्त अभियान चलाया गया। फिलहाल पूरे नेटवर्क की जांच जारी है और अन्य संदिग्ध ठिकानों की भी पहचान की जा रही है। बता दें जिला प्रशासन की यह कार्रवाई एक शुरुआत जरूर है, लेकिन बड़ा सवाल यही है कि आखिर इतने लंबे समय से यह खेल कैसे चलता रहा। जब तक निगरानी और जवाबदेही मजबूत नहीं होगी, तब तक सीमावर्ती इलाकों में ऐसी कालाबाजारी पर पूरी तरह रोक लगाना मुश्किल होगा।

कुरुक्षेत्र में पिहोवा तीर्थ यहां भगवान इंद्र ने अपने पितरों का किया था पिंडदान

स्नान करने से गंगा, यमुना, नर्मदा और सिंधु में स्नान करने जितना मिलता है पुण्य

नई दिल्ली ।

हरियाणा के कुरुक्षेत्र में स्थित पिहोवा तीर्थ को बहुत ही प्राचीन और पवित्र स्थान माना जाता है। यह तीर्थ सरस्वती नदी के किनारे बसा है और पितरों के श्राद्ध और पिंडदान के लिए जाना जाता है। मान्यता है कि यहां हर साल चैत्र चौदस के मौके पर मेला लगता है, जिसमें देशभर से लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पूजा करने यहां आते हैं। वामन पुराण के मुताबिक पिहोवा में स्नान करने से गंगा, यमुना, नर्मदा और सिंधु में स्नान करने जितना पुण्य मिलता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पौराणिक कथाओं में बताया गया है कि इस स्थान का नाम राजा पृथु के नाम पर पड़ा। कहा जाता है कि उन्होंने अपने पिता के निधन के बाद यहीं सरस्वती नदी के तट पर उनका अंतिम संस्कार और पिंडदान किया था। मान्यता है कि यहां स्नान करने से अश्वमेध यज्ञ के समान फल मिलता है। यहां मृत्यु होने पर जीव को मोक्ष की प्राप्ति होती है और वह जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाता है। महाभारत, पद्म पुराण, भागवत पुराण और वामन पुराण जैसे ग्रंथों में पिहोवा तीर्थ को अत्यंत पवित्र स्थल बताया गया है। पिहोवा तीर्थ को पितरों की शांति और मोक्ष से जुड़ा बेहद पवित्र स्थान माना जाता है। मान्यता है कि महाभारत युद्ध के बाद भगवान श्रीकृष्ण और पांडव यहां आए थे और युद्ध में मारे गए वीरों के लिए पिंडदान किया था। कहा जाता है कि भीष्म पितामह का अंतिम संस्कार भी इसी स्थान पर हुआ था और उन्हें यहीं मोक्ष की प्राप्ति हुई थी तभी से लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए इस तीर्थ पर आकर श्राद्ध और तर्पण करते हैं।

फीस भरने के लिए छात्र ने बेची किडनी, रकम के विवाद में हुआ बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का भंडाफोड़

सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ लेकिन मिले केवल साढ़े तीन लाख

पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा

देहरादून ।

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहे एक छात्र द्वारा अपनी फीस जमा करने के लिए किडनी बेचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला आयुष कुमार नामक यह छात्र उस समय पुलिस की नजरों में आया जब किडनी निकालने के बाद सौदा करने वाले गिरोह ने उसे पूरी रकम नहीं दी और वह अपनी शेष राशि मांगने पुलिस के पास पहुंच गया। छात्र ने पुलिस को बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने और पिता की आत्महत्या के बाद पढ़ाई छूटने के डर से उसने यह घातक कदम उठाया। छात्र के मुताबिक, शुरुआत में सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ था, लेकिन ऑपरेशन के बाद आरोपियों ने केवल साढ़े तीन लाख रुपये ही दिए। जांच में सामने आया है कि आयुष करीब छह महीने पहले टेलीग्राम पर एक किडनी डोनर ग्रुप के संपर्क में आया था। वह पहले शिक्षा ऋण (लोन) लेकर फीस भरना चाहता था, लेकिन सफलता न मिलने पर उसने किडनी बेचने का निर्णय लिया। उसे डॉक्टर अफजल और डॉक्टर वैभव कानपुर लेकर आए थे, जहां उसका ऑपरेशन किया गया। हालांकि, पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा है और उसने कई फर्जी म्यूल अकाउंट बनवाए थे, जिसकी जांच की जा रही है। इस मामले की गहराई से पड़ताल करने पर पुलिस ने एक बड़े अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश किया है। कानपुर पुलिस ने इस सिलसिले में आईएमए की उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति आहूजा समेत पांच डॉक्टरों और एक दलाल को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान लखनऊ और नोएडा के कई बड़े अस्पताल भी पुलिस के रडार पर आ गए हैं, जहां गंभीर स्थिति होने पर मरीजों को अवैध रूप से शिफ्ट किया जाता था। एसीपी आशुतोष कुमार के अनुसार, इन अस्पतालों की भूमिका संदिग्ध है और जल्द ही कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां संभव हैं।